RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 09 अंक : 3 जुलाई – सितम्बर 2023

खूबसूरत आँखों को हर पल-हर दिन नई दुनिया दिखायें...

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

राजस्थान
नेत्र ज्योति
जुलाई – सितम्बर 2023

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

सम्पादकीय

आई बैंक सोसाइटी ओफ राजस्थान की ओर से प्रति वर्ष मनाये जाने वाले नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के दौरान पिछले वर्षों के मुकाबले इस बार सर्वाधिक लगभग 15000 से अधिक लोगों तक नेत्रदान का संदेश पहुंचाना तथा भारी संख्या में नेत्रदान की शपथ पत्र के फार्म भरवाना एक बड़ी उपलब्धि है। यह सफलता सभी चेप्टर्स तथा कोर्निया संग्रह केंद्रों के उद्देश्य के प्रति समर्पित पदाधिकारियों , कार्यकर्ताओं, स्टाफ एवं सहयोगी समर्थको द्वारा पिछले वर्षो की तुलना मे अधिक संख्या में कार्यक्रम आयोजित करने एवं पूरे जोश व उत्साह के साथ भाग लेने के कारण ही संभव होसकी।

वैसे तो यह कार्यक्रम आई बैंक की स्थापना के बाद से हर वर्ष आयोजित होते रहे हैं लेकिन इस वर्ष इसका दायरा मुख्यतः अस्पतालों, निजी व सरकारी स्कूलों, कोलेजों, निजी कंपनियों के कार्यालय कर्मियों, पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों ,आर ए. सी. बटालियनों, विभिन जिलों के काराग्रहों, के अलावा महावीर इंटरनेशनल, रोटरी क्लब व अन्य कई समाज सेवी संस्थाओं,धर्माचार्यों के उपासना स्थलों, आम जनता तथा ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में छात्रों - अध्यापकों, पंचायतों ,पंच सरपंचो के यहां जाकर आयोजित किए गए। सभा- संगोष्ठी, रेली, फिल्म शो,प्रचार सामाग्री का वितरण, प्ले कार्ड स्टेंडीज, नाटक का मंचन आदि माध्यमों का उपयोग भरपूर तरीके से किया गया।

एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि आई बैंक के कर्मठ नेतृत्त्व दूवारा ने नेत्रदान का सन्देश फैलाने व कोर्निया कलेक्शन के नये –नये क्षेत्र की तलाश व दायरे के विस्तार पर योजना बद्ध तरीके से भी पूरा ध्यान दिया जारहा है। इस वर्ष नये चेप्टर्स / संग्रह केन्द्रों की स्थापना व निरंतर पर्यवेक्षण एवं समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ नवाचार प्रयोग के भी सकारात्मक व उत्साह पूर्ण परिणाम सामने आरहे हैं। इस वर्ष की चौथी तिमाही तक प्रत्यारोपित करने योग्य 2000 कॉर्निया प्राप्त करने का इबीएसआर के हमारे उर्जावान, दूरदर्शी अध्यक्ष तथा उनकी टीम का का सपना अवश्य ही पूरा होजाएगा।

आवश्यकता यह भी है कि सरकारी व निजी अस्पतालों में आई सर्जन्स के लिए केराटोप्लास्टी के प्रशिक्षण की व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ की जाय ताकी अन्य सरकारी व निजी अस्पतालों में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के कारण अंधेरे मे जी रहे लोगों के जीवन मे उजाला लाया जा सके और राजस्थान में एकत्रित होने वाले कोर्निया का पूरा लाभ प्रदेश के ही द्रष्टिबाधित लोगों को मिल सके ।

अगली तिमाही के बाद आने वाला नया वर्ष आईबैंक सोसाइटी के लिए एक नयी उर्जा व नये लक्ष्य की पूर्ति की चुनौती के साथ नया उजाला लेकर आएगा, इसमें कोई संदेह नही है। हमें अपने कार्यक्षेत्र के दायरे को जहां नहीं पहुँच पाए हैं वहा तक बढाना होगा।

पिछले कुछ समय से कोरोना की वापसी के बारे मे विदेशों से दबे पांव आने वाली खबरे कुछ हैरानी अवश्य पैदा करती है लेकिन पिछली कोरोना महामारी के दौरान आई बैंक के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने जिस हिम्मत और हौंसले के साथ मुकाबला किया था, वह ज़ज्बा आज भी कायम है। एक कविता की चार पंक्तियां मुझे याद आगई।

वक्त की शाख को तोड़ लाने का हुनर रखते हैं
ए जिन्दगी हम ग़म मे भी मुस्कुराने का हुनर रखते हैं
इतनी आसानी से नहीं तोड़ पाएगा वक्त हमें
हम बिखर कर भी संवर जाने का हुनर रखते हैं।

लक्ष्मण बोलिया
सम्पादक

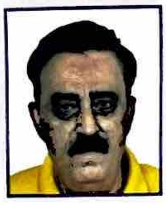

In a world where darkness can shroud the beauty of life, there exists a beacon of hope—one that transcends the boundaries of mortality and lights the path for those in need. This light is none other than the invaluable gift of sight, made possible through the selfless act of eye donation. As we delve into the pages of this magazine, we embark on a journey to explore the profound impact of eye donation, shedding light on the lives it touches and the hope it brings. Let us reflect on the extraordinary gift that is eye donation. In every cornea transplanted, in every pair of eyes that regains the ability to see, there lies a story of compassion, selflessness, and the triumph of humanity over darkness. May this editorial serve as a beacon, guiding us all to embrace the brilliance of sight and encourage the precious act of eye donation—an act that truly illuminates lives.

Gobind Gurbani
Co Editor

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

President Message

Friends,

I have great pleasure in sharing with you the latest issue of Rajasthan Netra Jyoti. This issue predominantly covers our divergent activities during the eye donation awareness fortnight year 2023. This year our efforts have been to cover areas outside the urban population of cities as large number of eye donations are received from different parts of Rajasthan. Similar efforts were made by all our chapters located in major cities of Rajasthan. It is heartening to note that these efforts brought positive results and our approach proved fruitful. Thus, we could have programs in a technical college at Chomu, in NIMS University and at Dausa, along with many peripheral areas around district Jaipur.

Similarly, in our pursuit of having awareness programs throughout the year, chapters also organised some interesting and far reaching programs to acknowledge the contribution of families of eye donors. Dandata Sammelan was held in Kota where many of the donor families were felicitated. Similarly Dandata Sammelans were organised in Jodhpur and Ajmer. The program at Ajmer was attended by a very large number of donors and prominent citizens of Ajmer who have been contributing to the success of this chapter.

During our visit to Rajasthan Police Academy, the director was kind enough to accept our suggestion to include an eye donation program into their regular curriculum so that new entrants, during their induction training, and the serving officer doing the refresher courses can be exposed to their responsibilities towards eye donation. It will prove a very positive step forward.

This year's closing ceremony of the fortnight at Jaipur was an interactive session in place of just a formal function. The participants were apprised of the progress in various fields by the President. The participants were requested to interact with their valuable suggestions which proved very interesting and useful. The Additional Chief Secretary Medical and health gave a perspective of the government schemes and also answered queries of the participants. Certain valuable suggestions were also received from members and guests.

It is our endeavor to improve our performance to help more and more visually challenged people by improving your performance year after year. We are hopeful to provide about 2000 transplantable corneas in the year 2023 for the first time. God willing.

I wish to express my gratitude to the members who participated with enthusiasm and came up with innovative ideas and my grateful thanks to the staff also for their sincere efforts during the period.

With regards,

B. L. Sharma
President

राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा
जयपुर चेप्टर

नेत्रदान के महत्व एवं लोगों के बीच जनचेतना जागृत करने के उद्देश्य से हर वर्ष राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर 25 अगस्त से 8 सितंबर तक राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाता है।

दिनांक 25 अगस्त को सर्वप्रथम परम्परागत रूप से गणेश मंदिर में पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।साथ ही उस दिन श्री एस.पी. वर्मा के निर्देशन में उनकी युवा नाट्यकर्मी टीम द्वारा ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' नुक्कड़ नाटक की बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की गई जो पूरे पखवाड़े के दौरान अन्य स्थानों पर भी की गई। सभी ने इस प्रयोग की सराहना की।

नेत्रदान, परिवार समाज एवं देश की परंपरा बने इसके लिए सोसायटी वर्ष भर जनचेतना के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के साथ, सरकारी एवं निजी हॉस्पिटल के डाक्टर्स एवं नर्सिंग स्टाफ, पुलिस विभाग, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच जाकर नेत्रदान की आवश्यकता एवं उनके सहयोग की बात करते हैं। इस बार भी राजस्थान पुलिस अकेडमी जयपुर, बीकानेर एवं अलवर के प्रशिक्षणार्थियों, एस. एम. एस. हॉस्पिटल, थाने के पुलिसकर्मियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग, नेत्रदान में मृत व्यक्तियों के परिवारवाजनो की समझाइश में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर उनसे चर्चा की गई। विशेषकर मेडिको लीगल केसेज में वर्तमान में एस. एम. एस. हॉस्पिटल के थाने से हमें बहुत सहयोग मिल रहा है। यहां से अधिक कॉर्निया भी एकत्रित किये जा रहे हैं।

पखवाड़े के दौरान गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज गोविंदगढ़, गीता बजाज टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट चौमूं, अपोलो कॉलेज ऑफ़ वेटरनरी मेडिसिन, कनोड़िया कॉलेज, एस.एम.एस.उ नर्सिंग कॉलेज, निम्स कालेज आदि शैक्षिक एवं मेडिकल संस्थानों में जाकर नेत्रदान का महत्व बताने के लिए ईबीएसआर की टीमों ने फिल्म शो, नुक्कड़ नाटक एवं नेत्रदान के कार्य में उनकी भूमिका कैसे महत्वपूर्ण हो सकती है की जानकारी दी। इन सभी संस्थानों से हर संम्भव सहयोग का आश्वासन मिला है।

एन.सी.सी. डायरेक्टरेट के सहयोग से रूकमणि बिरला मॉडर्न स्कूल में विद्यार्थियों और शिक्षकों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ कक्षा 10 से 12 के विद्यार्थियों का एक ड्राइंग कंपटीशन भी आयोजित किया गया। ड्राइंग का विषय ''सेव दी लिगेसी ऑफ साईट'' दिया गया। इस कॉम्पीटिशन में 125 विद्यार्थीयों ने भाग लिया। बहुत ही सुंदर पोस्टर उन्होंने तैयार किये गये जिनको भविष्य में जनचेतना के लिए उपयोग में लिया जाएगा।

पखवाड़े के दौरान सदस्यों द्वारा एस. एम. एस. हॉस्पिटल के वार्ड, मोर्चरी, नर्सिंग स्टाफ के साथ बातचीत कर उनके द्वारा किए जा रहे सहयोग के प्रति आभार प्रदर्शित करने के साथ साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग के लिए उन से चर्चा की गई। हॉस्पिटल के प्रिंसिपल एवं अधीक्षक हमेशा सहयोग देते हैं। इसी कारण सर्वाधिक कॉर्निया यहीं से एकत्रित होते हैं एवं ट्रांसप्लांट के लिए इसी हॉस्पिटल को ही अधिकाधिक निःशुल्क कॉर्निया उपलब्ध करवाते हैं।

प्राइवेट हॉस्पिटल में जहां पर मोर्चरी उपलब्ध होती है वहां के डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ का इस कार्य में सहयोग लेने के लिए महात्मा

जागरूकता पखवाड़े के समापन समारोह में नवाचार

जयपुर। 38 वें राष्ट्रीय नेत्रदान जागरुकता पखवाड़े का समापन समारोह 8 सितंबर 2023 को आईबैंक सोसाइटी और एचसीएमआर आईपीए (रीपा)के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। श्रीमती शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और श्री उमेश मिश्रा, पुलिस महानिदेशक, समारोह के मुख्य अतिथि सहित काफी संख्या में कार्य कर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

इस बार का समापन समारोह परंपरा से बिल्कुल हट कर था। आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों के भाषण के स्थान पर एक पैनल डिस्कशन रखा गया जिसमें सर्वप्रथम अतिरिक्त मुख्य सचिव मेडिकल एवं हेल्थ श्रीमती शुभ्रा सिंह ने राज्य सरकार द्वारा राइट टू साइट पोलिसी के तहत विभिन्न प्रयासों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि अंधता उन्मूलन में राजस्थान आई बैंक सोसाइटी कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है । इसके बाद खुली चर्चा हेतु मंच का संचालन आई बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष, पूर्व आईएएस श्री बी.एल शर्मा ने सम्हाल लिया। उन्होंने सभी श्रोताओं को आमंत्रित किया कि वे विषय से संबंधित अपने प्रश्न पूछ सकते हैं, जानकारी ले सकते हैं और अपनी शंकाओं का निराकरण करा सकते हैं।

एक -एक करके कई श्रोताओं ने कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के शिकार लोगों के सर्वे, केरैटोप्लास्टी सर्जन के प्रशिक्षण एवं ऐसे केंद्रों की अन्य जिलों में भी स्थापना करने, प्रत्येक जिले में कॉर्निया एकत्रीकरन एवं लैब टेस्टिंग केंद्र स्थापित करने आदि प्रमुख मुद्दों पर दिलचस्प सवाल पूछे। आई बैंक सोसाइटी ओफ राजस्थान के अध्यक्ष,श्री बी. एल. शर्मा ने इस पैनल डिस्कशन का बखूबी जीवंत संचालन किया। वे बीच बीच में प्रोत्साहित कर रहे थे। यह एक पहला अच्छा सार्थक प्रयास था, जिसमें डायस पर बैठे अतिथियों तथा सभी श्रोताओं की परस्पर जीवन्त भागीदारी दिखाई दे रही थी। पैनल डिस्कशन के दौरान उपस्थित श्रोताओं दूवारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में श्रीमती शुभ्रा सिंह ने जानकारी दी कि सरकार ने राजस्थान में अधिक केराटोप्लास्टी सर्जनों को प्रशिक्षित करके केराटोप्लास्टी सर्जरी की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। आरयूएचएस, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, एम्स और बड़ी संख्या में केराटोप्लास्टी सर्जरी करने वाले अन्य प्रमुख अस्पताल इस प्रशिक्षण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

उन्होने यह भी कहा कि मेडिकल कोलेजों व अन्य बड़े अस्पतालों में भी कोर्निया कलेक्शन सेन्टर खोले जासकते हैं। यह तय है कि सरकार के इस निर्णय का क्रियान्वयन होने के बाद राजस्थान में दान के जरिए प्राप्त होने वाले कॉर्निया का अधिकाधिक उपयोग राजस्थान के ही द्रष्टिबाधित लोगों के लिए होने लगेगा। यही नहीं जो कोर्निया राजस्थान से बाहर भेजे जाते हैं उनमें भी निश्चित तौर पर कमी आएगी।

पेनल डिस्कशन में पुलिस महानिदेशक श्री उमेश मिश्रा, जो नेत्रदान कार्यक्रम के प्रति पहले से ही समर्पित भाव से सहयोग कर रहे हैं, ने नेत्रदान, विशेषकर मेडिको-लीगल मामलों में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि पुलिस विभाग के सभी प्रशिक्षण संस्थानो के अल्प कालिक व दीर्घकालिक पाठ्यक्रम में वे नेत्रदान पर विशेष सत्र आयोजित करने के लिए सहमत हैं। स्मरण रहे नेत्रदान एक वैधानिक प्रकिया है और इसी सिलसिले में पुलिस विभाग से सहयोगात्मक आदेश समय-समय पर जारी किये जाते रहे हैं।

– ललित प्रकाश कोठारी, पूर्व आईएएस,
सचिव, ईबीएसआर, जयपुर

जयपुर चेप्टर ...... पेज का शेष

गांधी हॉस्पिटल, राजस्थान हास्पिटल, निम्स हास्पिटल जाकर नेत्रदान जागरूकता के साथ-साथ उनके अपेक्षित सहयोग के लिए अनुरोध किया गया । उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

श्री भूपेन्द्र कुमार दक डी. जी. जेल के सहयोग से महिला जेल जयपुर एवं बीकानेर व अन्य जेलों में बंदियों को नेत्रदान के महत्व से अवगत करवाया । उन्हें जानकारी दी गई कि नेत्रदान केसै किया जा सकता है। इससे अधिक पुण्य का कार्य अपने जीवन काल में आप नहीं कर सकते इसलिए अपने जीते जी ही संकल्प पत्र भरकर अपने परिवार को जानकारी दे दें। इस बार धार्मिक स्थलों अमरापुरा धाम, जैन स्थानक आराधना भवन, श्याम नगर में भी उपस्थित श्रद्धालुओं को नेत्रदान के सभी पहलुओं से अवगत कराया गया।

– श्रीमती उषा बापना
संयुक्त सचिव ईबीएसआर, जयपुर

जयपुर में एनसीसी जवानों की आकर्षक मार्चपास्ट रैली

जयपुर। 38 वें राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूता पखवाड़े के दौरान जयपुर में 5 सितंबर के दिन प्रातः नेशनल कैडेट कोर (एन. सी. सी.) के युवा उत्साही कैडेट्स द्वारा की गई आकर्षक मार्च पास्ट रैली की गुलाबी नगर में चारों ओर चर्चा होती रही।

जयपुर पुलिस आयुक्त श्री बीजू जॉर्ज जोसेफ ने त्रिपोलिया गेट, चौडा रास्ता पर मार्च पास्ट रैली को फ्लेग ऑफ कर के रवाना किया। इस अवसर पर आई बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष श्री बीएल शर्मा, उपाध्यक्ष श्री वी.सी. सचेती, पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं उपाध्यक्ष श्री कपिल गर्ग, सचिव, श्री ललित प्रकाश कोठारी, ई.बी.एस.आर. बोर्ड के सम्मानित सदस्य,अन्य सदस्य और ईबीएसआर कर्मचारी व अन्य नागरिक उपस्थित थे।

कदम से कदम मिलाकर चल रहे सेना,नौसेना और वायु सेना के अनुशासित केडेट्स की बहुरंगी आकर्षक वेशभूषा के साथ पुलिस बैंड की मधुर स्वर लहरियों की धुनों के साथ यह रैली त्रिपोलिया गेट से शुरू होकर राम निवास बाग के हरीतिमा से आवृत्त अल्बर्ट हॉल पहुंची। जब मार्च पास्ट न्यूगेट से बाहर निकल रहा था,उस समय काफी संख्या मे लोग दोनो ओर साइड में खड़े होकर तालियों से इन कैडेट्स की हौंसला अफजाई कर रहे थे।

अंधकार में जीवन जी रहे द्रष्टि बाधित लोगों के लिए नेत्रदान का संदेश जन-जन तक तक पहुंचा कर जागरूकता बढ़ाने के काम मे सहयोग देने के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना, तीनों अंगों के कुल लगभग 200 एनसीसी कैडेटों ने मार्चपास्ट में भाग लिया। । वे अपने हाथों में नेत्रदान के संदेश बैनर और नेत्रदान के पोस्टर लिए हुए थे। पुलिस बैंड द्वारा बजाई जारही लयबद्ध धुनों ने वातावरण को गरिमामय बना दिया। राम निवास बाग में आकर यह रैली अल्बर्ट हॉल के बाहर विसर्जित होगई। बाद में वहां सभी केडेट्स एवं उपस्थित लोगों को ए.सी.एस.मेडिकल एंड हेल्थ, श्रीमती शुभ्रा सिंह और आइ बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष श्री बी. एल.शर्मा ने संबोधित करते हुए अंधता उन्मूलन के महान कार्य मे भरपूर सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप अपने परिवार तथा साथियों को नेत्रदान के बारे में जानकारी देकर जागरूकता फैलाएं । कार्यक्रम में ग्रुप कमांडर कर्नल बिजेंद्र सिंह अपने अधिकारियों के साथ वहां मौजूद थे।

इस मार्च पास्ट रैली का एक मार्मिक क्षण वह था जब सभी प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों ने नेत्रदान को बढ़ावा देने और समर्थन करने की शपथ लेकर नेत्रदान को हर परिवार की परंपरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम जलपान के बाद समाप्त हुआ। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को परस्पर बातचीत करने और अपने अनुभव साझा करने का खुला अवसर मिला। इस आयोजन की मुख्य उपलब्धि हर परिवार में नेत्रदान की परंपरा बनाने की शपथ लेने के प्रति प्रतिबद्धता थी। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान की सदस्य श्रीमती शोनू जैन तथा श्री सुनील मेहता के प्रयासों से मार्चपास्ट रैली का आयोजन सफलता से संपन्न हुआ।

– श्रीमती शोनू जैन
मुख्य समन्वयक
एन.सी.सी. रैली, कार्यकारिणी सदस्य, इबीएसआर

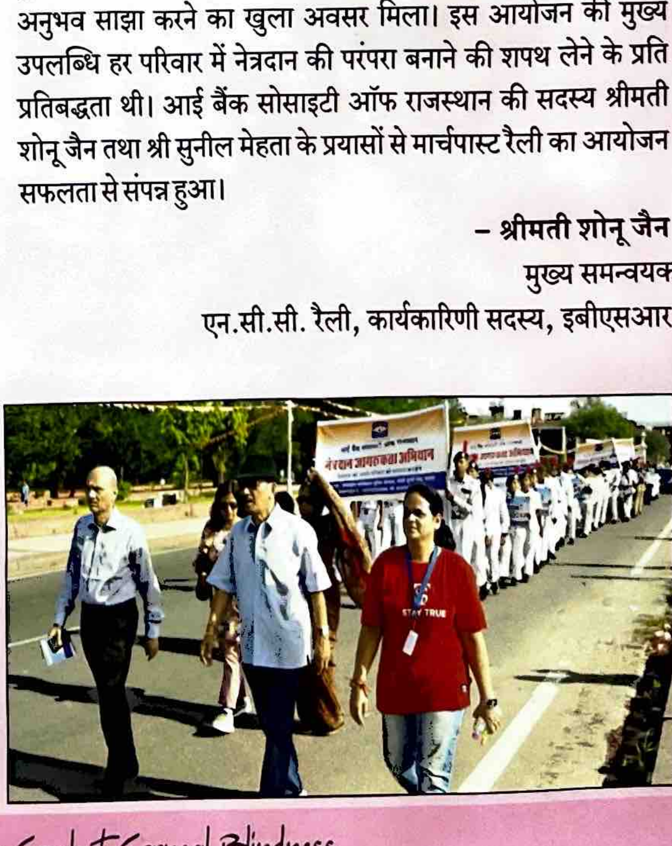

"The Role of Rajasthan Police in Fostering Cornea Donation: A Beacon of Hope Against Corneal Blindness"

Kapil Garg
Vice President, EBSR
Former D.G.P., Rajasthan

In the vast expanse of Rajasthan, India, where the arid landscape stretches as far as the eye can see, a new vision is emerging—one that transcends the traditional duties of law enforcement. The Rajasthan Police, as the first responders in incidents ranging from road accidents to crimes against the human body, particularly homicide, are uniquely positioned to play a pivotal role in encouraging cornea donation. This proactive approach not only aids in expediting investigation formalities but also contributes significantly to the control of corneal blindness, a prevalent issue in the entire country.

The immediate response of the police to accidents and crimes against the person often involves the handling of deceased individuals. Recognizing this, Rajasthan Police has taken the initiative to promote cornea donation as a means of giving a second lease of life to those suffering from corneal blindness. The need for speed in completing investigation formalities, such as timely post-mortems and drawing up requisite memos, aligns seamlessly with the urgency required (within 8 hours of death) in harvesting corneas for transplantation.

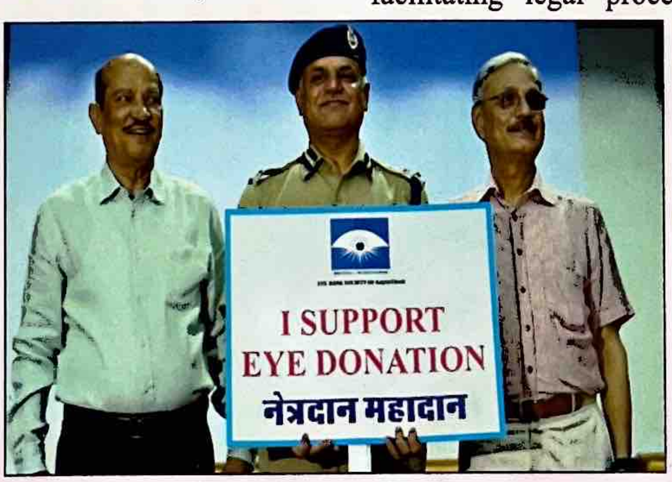

Several awareness programs have been organized by Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR) in various establishments of Rajasthan Police across the state to sensitize their personnel about the importance of cornea donation and the role of police personnel in achieving the desired objective of controlling corneal blindness. Institutions like the Rajasthan Police Academy in Jaipur, along with other training centers, district police offices including Police Stations, and various Armed Battalions, have become focal points for these initiatives. Police Officers are educated about the impact of corneal blindness on individuals and society at large through awareness campaigns and interactive sessions organized in these establishments by EBSR.

One notable aspect of these awareness programs is the emphasis on utilizing the influence that police personnel wield within the communities they serve. Given their role as guardians of law and order, Rajasthan Police can effectively leverage their standing to inspire trust and confidence in the process of cornea donation. By becoming ambassadors for this cause, they can break down societal taboos and dispel myths surrounding organ donation.

It is noteworthy that the harvesting of corneas is lawful and permitted under the Transplantation Human Organs and Tissues Act, 1994, and formal directions have been issued by the Rajasthan Police Headquarters to enable the field formations to act in accordance with the spirit of law. This aligns with their commitment to facilitating legal procedures that support cornea donation.

The success of these initiatives is not solely measured by the number of participants but by the ripple effect they create within the community. Each police officer trained to advocate for cornea donation becomes a catalyst for change, fostering a culture where donation is seen not just as an act of charity but as a collective responsibility to combat corneal blindness.

In conclusion, Rajasthan Police's proactive stance in encouraging cornea donation exemplifies their commitment to serving the community beyond conventional boundaries. By addressing the issue at its roots and harnessing their influence, the police force is not only expediting investigation formalities but also contributing significantly to the noble cause of eradicating corneal blindness in the state. This harmonious integration of law enforcement and social responsibility stands as a beacon of hope for Rajasthan—a testament to the power of collective action in building a brighter future for all.

RAC 4th Battalion will support eye donation

Jaipur. Eye donation awareness programme was organized at 4th RAC Battalion Chainpura, Jaipur On September 5. Shri SC Mehta, former I.P.S/ and Shri Lalit Kothari, Secretary and former I.A.S, and Shri Pulkesh Dy. Manager participated in the programme. Shri Premdan, Deputy Commandant RAC also joined. About 100 RAC personnel participated in the programme.

Shri Suresh Mehta explained the problem of corneal blindness and necessity of of cornea donation to eliminate blindness. Shri Kothari explained them about the working of Eye Bank society of Rajasthan. He also told about the need of making eye donation a community movement to eradicate corneal blindness. Every person can join this movement by pledging eyes, spreading the message of eye donation to their family members, dear and near ones, acquaintances and community at large. Deputy commandant RAC assured that jawans of this battalion will take keen interest in spreading the message of eyes donation . Pledge forms were also distributed which will be filled, collected and sent to EBSR.

- Lalit Prakash Kothari
Secretary, EBSR

Aware ness programe at Rajasthan Police Academy

Jaipur. On Sept. 22, 2023 the Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR) organized an eye donation awareness program at the Rajasthan Police Academy. The program aimed to educate around 200 Police Sub-Inspector trainees who are soon to be posted in various districts across Rajasthan. The session was conducted to inform them about the importance of

eye donation and how they can contribute to this noble cause during their duties.Sh. Kapil Garg delivered a comprehensive presentation outlining the eye donation process and emphasized how police personnel can play a crucial role in promoting and facilitating eye donation. His insightful presentation shed light on the significance of this initiative.Ms. Sudershana Shekhawat shared valuable information with the trainees. She highlighted that, with the assistance of the police department, EBSR has been able to procure 80% of corneas from medical legal cases. She credited this success to the regular awareness sessions conducted by EBSR at the Rajasthan Police Academy. This statistic underscores the positive impact of their collaborative efforts.During the program, the trainees were shown official police orders that emphasize the importance of supporting and facilitating eye donation. This visual representation reinforced their role in promoting this humanitarian cause. Manager, EBSR Shri Santosh presented a short, impactful movie on eye donation. The film showcased the recipients' happiness upon regaining their vision, further inspiring the trainees to actively participate in this noble endeavor.The eye donation awareness program at the Rajasthan Police Academy was highly productive and marked a significant step in the training curriculum of these future Police Sub-Inspectors. It not only educated them about the importance of eye donation but also motivated them to actively contribute to this humanitarian cause during their service. The collaborative efforts between EBSR and the police department have proven to be effective in increasing cornea donations from medical legal cases.

- Sudershana Shekhawat
Sr. Manager, EBSR

सुबोध सी. हा. सै. स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम

जयपुर दिनांक 29 सितंबर 2023 को जौहरी बाजार जयपुर में सांगानेरी गेट के पास स्थित सुबोध सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल में नेत्रदान महादान शीर्षक से कार्यक्रम संपन्न किया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉक्टर दीपा सचदेवा के सहयोग से भारी मात्रा में उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टाफ के बीच नेत्रदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों से सीधे रूप से बातचीत की गई और स्टाफ के पूरे सहयोग से नेत्रदान की महत्ता एवं इसकी क्रियाविधि संबंधी चर्चा की गई। इस मौके पर आई बैंक के सदस्य श्री आत्माराम सिंहल ने नेत्रदान हेतु जागरूकता संबंधी उद्बोधन दिया। श्री एस पी वर्मा एवं इनके कलाकारों की टीम ने नेत्रदान हेतु जागरूकता का संदेश अपने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। शाला के कुछ स्टाफ सदस्यों एवं छात्रों ने संकल्प पत्र भरे। प्रिंसिपल डॉक्टर सचदेवा ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक समाजसेवी ग्रुप दोस्ताना समूह की ओर से अंगदान महादान का संदेश लिखित टी-शर्ट सभी कलाकारों को भेंटकर सम्मानित किया गया। दोस्ताना ग्रुप के पदाधिकारी श्री योगेश सचदेवा ने यह कार्यक्रम तय करवाने में हमें सहयोग किया। आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान की ओर से आत्मा राम सिंहल ने संस्था प्रधान को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कॉर्नियल अंधता का मुकाबला जागरूकता एवं सक्रिय भागीदारी से किया जा सकता है

जयपुर। 38 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान द्वारा 4 सितंबर, 2023 को निम्स यूनिवर्सिटी राजस्थान जयपुर में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आई बैंक की ओर से सचिव श्री ललित प्रकाश कोठारी, कार्यकारिणी सदस्य श्री गोविंद गुरबानी एवं श्रीमती अंजु जैन उपस्थित थे। निम्स यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. चमन राम वर्मा, प्रिंसिपल और कंट्रोलर, डॉ. मुकेश तिवारी, नेत्र विभाग प्रमुख डॉ. तेजिंदर अहलूवालिया ने भाग लिया। समारोह में लगभग 900 व्यक्ति (फैकल्टी एवं छात्र) उपस्थित थे।

श्री ललित कोठारी ने अंधता और लोगों के जीवन पर इसके प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। मानव शरीर में हमारी दृष्टि को बनाए रखने में कॉर्निया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कॉर्निया प्रत्यारोपण के महत्व पर जोर दिया और कहा कि आई बैंक सोसाइटी को अब तक 19,970 कॉर्निया प्राप्त हुए हैं और उनमें से 12,310 कॉर्निया को प्रत्यारोपित किया गया। उन्होंने नेत्रदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

श्री ललित कोठारी ने बताया राज्य सरकार ने अंधकार में जीवन जी रहे 3 लाख लोगों की जिन्दगी में उजाला लाने की एक अनूठी योजना। 'राइट टू साइट' पॉलिसी जारी की जिसके तहत सभी सरकारी एवं प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में केरेटोप्लास्टी सेंटर एवं आई बैंक स्थापित किए जाएंगे। राजस्थान देश का पहला राज्य है जहां राइट टू साइट पॉलिसी लागू की गई है, तथा इस पॉलिसी के क्रियान्वयन में आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान की प्रमुख भूमिका रहेगी।

राइट टू साइट पॉलिसी के तहत नेत्र विशेषज्ञ-सर्जन, पी.जी. के विद्यार्थी, काउंसलर्स एवं नेत्र सहायकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। अंधता नियंत्रण संबंधी शिक्षण व मरीजों के लिए जन जागरूकता अभियान चलेगा। देश में वर्ष 2020 में अंधता की दर 1.1% थी, राजस्थान में राइट टू साइट पॉलिसी के तहत इसे 0.3% तक लाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। निम्स के नेत्र विभाग के प्रमुख डॉ. तेजिंदर ने कहा, अंग दान एवं नेत्रदान को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

श्री गोविंद गुरबानी ने नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्रीमती अंजु जैन ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिये बताया कि आई बैंक में अधिकतर अस्पतालों व स्वैच्छिक दान से कॉर्निया प्राप्त होते हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से नेत्रदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया और अन्य आधुनिक संचार उपकरणों का उपयोग करने की अपील की। प्रेजेंटेशन के बाद पूर्व मेडिकल डायरेक्टर डॉ स्वाति तोमर ने प्रश्न और उत्तर सत्र के दौरान छात्रों को नेत्र दान और कॉर्निया प्रत्यारोपण के विभिन्न पहलुओं, सामान्य चिंताओं और गलत धारणाओं के बारे में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये।

समापन भाषण में निम्स विश्वविद्यालय की निदेशक, डॉ. संदीप त्रिपाठी ने भारत में चिकित्सा की क्षमता की सराहना करते हुए कहा, हम सब नए भारत के एम्बेसडर है, और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम जागरूकता फैलाएं और जरूरतमंद लोगों को दृष्टि का उपहार प्रदान करें, जिससे उनके जीवन में रोशनी आए। उन्होंने अपना संदेश ''अवेयरनेस ऐंड एक्शन'' के साथ समाप्त किया और साथ ही इस बात पर जोर दिया कि यह हमारे सामूहिक प्रयास और प्रतिबद्धता से ही संभव है, जिससे एक विकसित समाज का निर्माण किया जा सके।

- श्रीमती अंजु जैन

सदस्य, कार्य समिति, आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान

अजमेर: 2500 से अधिक लोगों तक नेत्रदान का संदेश पहुंचाया

अजमेर। आई बैंक सोसाइटी के अजमेर चेप्टर द्वारा नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा बहुत धूम धाम से मनाया गया। पखवाड़े के दौरान सभी कार्यक्रमों में लगभग 2500 से अधिक लोगों तक नेत्रदान कराने के महान समाज सेवी कार्य का संदेश पहुंचाया गया।

● दिनांक 25 अगस्त को ब्यावर रोड स्थित एच. एम. टी. फैक्ट्री में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें लगभग 100 से अधिक स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे। आई बैंक कार्यकर्ताओं ने 2 लघु फिल्में दिखाईं तथा नेत्रदान कार्यक्रम में सहयोग देने कीअपील करने के साथ पेम्पलेट वितरित किए और नेत्रदान के लिए डोनर कार्ड भरवाए। अजमेर चेप्टर के तकनीशियन भरत और कांसिलर कुलदीप ने भाग।

● दिनांक 26 अगस्त को जे.एल.एन. अस्पताल तथा मेडिकल कोलेज में नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कार्यक्रम मे मेडिकल कॉलेज, अजमेर के एच.ओ.डी. और अन्य डॉक्टरों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और छात्रों ने भाग लिया। कुल मिलाकर लगभग 60 व्यक्ति वहां उपस्थित थे। इसी दिन शाम को महिला जेल, अजमेर में जागरूकता कार्यक्रम मे लगभग 30 महिलाएँ अपने स्टाफ सहित उपस्थित थीं। यहां सभी कैदी महिलाओं को मृत्यु उपरांत आंखो का कोर्निया दान करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उनको बताया कि जो लोग कॉर्निया की खराबी के कारण दुनिया नहीं देख पाते हैं, वे आपके द्वारा दान किये या कराए गए कोर्निया से दुनिया देख सकते हैं। अगले दिन मित्तल नर्सिंग कॉलेज, अजमेर में लगभग 100 छात्र एवं 25 स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। यहां पर 2 लघु फिल्में दिखाईं तथा नेत्रदान की अपील के पंपलेट वितरित किए। डोनर कार्ड भी भराए गए। दिनांक 28 अगस्त को जेएलएन अस्पताल,अजमेर की ओपीडी में आयोजित कार्यक्रम मे उपस्थित सभी लोगों को पेंम्प्लेट वितरित किये और नेत्र दाता कार्ड़ भरवाए गए।

● दिनांक 29 अगस्त को एचएमटी, ब्यावर रोड़, अजमेर में एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जागरूकता वार्ता दी गई। इसमें लगभग 100 स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। सभी व्यक्तियों से डोनर कार्ड़ भरवाए गए। 30 अगस्त को शासकीय अस्पताल, विजयनगर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लगभग 40 रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, छात्र और मरीज़ उपस्थित थे। अजमेर चेप्टर के कार्यकर्ताओं ने सभी को नेत्रदान के पेम्पलेट वितरित किए और डोनर कार्ड़ भरवाए।

● दिनांक 31 अगस्त को पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, किशनगढ़ में लगभग 110 प्रशिक्षुओं की उपस्थिति मे नेत्रदान कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई तथा अधिकाधिक लोगों तक इसका संदेश पहुंचाने की अपील की गई। बाद में इसी दिन पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र सिलोरा में भी अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया। लगभग 300 प्रशिक्षु पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। दोनो ही कार्यक्रमों में अध्यक्ष, रवि तोषनीवाल तथा सचिव राकेश शर्मा ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नेत्रदान क्यों जरूरी

है और कोर्नियल ब्लाइंडनेस से ग्रस्त मरीजों की आखों में रोशनी कैसे लाई जा सकती है ?

● दिनाक 2 सितंबर को सरकारी अस्पताल, ब्यावर में अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें लगभग 25 रेजिडेंट डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे। सभी को नेत्रदान में सहयोग करने की अपील की एवं पेम्पलेट वितरित किए तथा डोनर कार्ड भरने के लिए दिए।

● अगले दिन सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल में रैली निकाली गई। कोटड़ा, जवाजा विद्यालय के लगभग 250 विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे। यहां भी सभी छात्रों व शिक्षकों को पेम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही सभी से डोनर कार्ड भरवाए। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन राकेश शर्मा, सचिव ने किया। दिनांक 4 सितंबर को सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल, केकड़ी, में एक रेली का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे। इस रेली मे सभी को नेत्रदान संबंधी पेम्पलेट वितरित किए और डोनर कार्ड़ भरने के लिए दिए।

नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए दिनांक 5 सितंबर को वाई. एन. हॉस्पिटल, किशनगढ़ द्वारा रैली का आयोजन किया गया। इसमें डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और 100 क्लब के सदस्यों आदि ने भाग लिया। डोनर कार्ड भरे गए। वहां करीब 70 लोग मौजूद थे। दिनांक 6 सितंबर को नसीराबाद के सरकारी हॉस्पिटल में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के साथ नेत्रदान प्रमोशनल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 25–30 लोग उपस्थित थे। दिनाक 7 सितंबर को राधिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बलवंता के छात्रों और स्टाफ के साथ प्रचार कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें लगभग 100 बच्चे एवं स्टाफ उपस्थित थे।

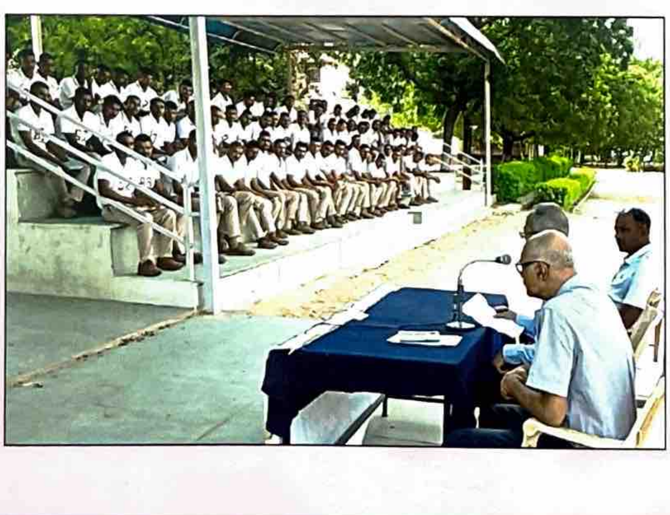

दिनांक 8 सितम्बर 2023 को माहेश्वरी सेवा समिति भवन में

भव्य समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें नेत्रदान से जुड़े विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, जैसे लायंस, भारत विकास परिषद, 100 क्लब, जैन सोशल ग्रुप क्लासिक, रेलवे अस्पताल, सेंट फ्रांसिस अस्पताल अजमेर के पदाधिकारियों तथा सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष, रवि तोषनीवाल, सचिव राकेश शर्मा ने सभी आगन्तुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा पखवाड़े की जानकारी देते हुए बताया कि चेप्टर दुवारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये हम लगभग 1500 से अधिक लोगों तक नेत्रदान का संदेश पहुंचाने में सफल रहे हैं। इस अवधि मे अजमेर चेप्टर को 12 कोर्निया दान में प्राप्त हुए हैं। उन्होंने अजमेर चेप्टर के टेक्नीशियन भरत तथा कौंसिलर कुलदीप द्वारा सभी कार्यक्रमों मे उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए भरपूर प्रशंसा की। अजमेर के अलावा, किशनगढ़ तथा आसपास चल रही संस्थाओं व अन्य संगठनों के सदस्य भी उपस्थित थे।

– रवि तोषनीवाल

अध्यक्ष, अजमेर चेप्टर

कोटा : 2500 से अधिक जनों तक पहुंचाया नेत्रदान का संदेश

कोटा । नेत्रदान जागरुकता पखवाड़े के दौरान आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान कोटा चेप्टर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमआयोजित किये गये।

● दिनाक 24 अगस्त को कोटा रेंज के आई. जी. श्री प्रसन्न कुमार खमेसरा ने नेत्रदान का संदेश देने वाले पोस्टर का विमोचन करके जागरूकता पखवाड़े का शुभारंभ किया। कोटा चेप्टर के अध्यक्ष डॉ के.के.कंजोलिया, डॉ. सुरेश पाण्डेय, कॉर्डिनेटर, सचिव श्री सुरेश सेदवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. के. एल. गुप्ता, डॉ. एस. के. गुप्ता, समाज सेवी जी.डी. पटेल, टैक्नीशियन श्री टिंकू ओझा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

● दिनांक 25 अगस्त को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कैथून में नेत्रदान पखवाड़े का उद्घाटन एवम् नेत्रदान जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रधानाचार्य श्री अशोक गुप्ता ने आई बैंक मेम्बर्स का

स्वागत करते हुऐ सभी उपस्थित लगभग 500 छात्रों को नेत्रदान हेतु प्रेरित किया। संगोष्ठी में डॉ. के. के. कंजोलिया ,अध्यक्ष, डॉ. सुरेश पाण्डेय, कॉर्डिनेटर, श्री सुरेश सेदवाल ,सचिव तथा समाजसेवी श्री जी.डी. पटेल, टैक्निशियन श्री टिंकू ओझा सहित प्रधानाचार्य श्री अशोक गुप्ता, शाला के शिक्षकगण एवं 500 छात्र व अध्यापक उपस्थित थे। समारोह में कई छात्रों तथा विद्यालय के व्याख्याताओं ने प्रेरित होकर नेत्रदान के संकल्प पत्र भर

कर अपना समर्थन व्यक्त किया। कोटा चेप्टर द्वारा संकल्प प्रमाण पत्र मौके पर ही शपथ लेने वालों को भेंट किए।

● दिनांक 26 अगस्त को राजकीय महाविद्यालय कोटा में जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रधानाचार्य श्री अरूण कुमार ने नेत्रदान के महत्व एवं वर्तमान परिवेश में इसकी आवश्यकता के बारे में बताया। डॉ सुरेश पाण्डेय ने पी.पी.टी. के माध्यम से नेत्र की सरंचना एवं अन्धता से बचने के लिए उदाहरण देते हुऐ विस्तार में जानकारी दी। उन्होंने आंखो के मॉडल से उपस्थित शिक्षकों एवं लगभग 550 छात्रों को आंखो के कार्य करने की विधी सरलता से समझाई।

संगोष्ठी में डॉ के.के.कंजोलिया, अध्यक्ष ने जानकारी दी कि वर्तमान में द्रष्टि बाधितों के लिए जितनी संख्या मे कॉर्निया की आवश्यकता है उसका केवल 20 प्रतिशत कॉर्निया ही डोनेशन में प्राप्त हो रहा है। उन्होने युवाओं से अनुरोध किया कि उन्हें अधिकाधिक संख्या में नेत्रदान का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के कॉर्डिनेटर डॉ. निरजा श्रीवास्तव एवं श्री जी.डी. पटेल रहें।

● दिनांक 27 अगस्त को पोरवाल भवन, कोटा में पोरवाल युवक संघ के तत्वावधान में पोरवाल समाज के 500 लोगों की उपस्थिति में

नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ के.के. कंजोलिया ने नेत्रदान के जरिए प्राप्त होने वाले कोर्निया की कमी और समस्या के समाधान के सम्बन्ध में जानकारी विस्तार से दी। उन्होने पोरवाल समाज का आह्वान किया की वे एक जुट होकर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान देवें। उन्होने चेप्टर द्वारा कॉर्निया कलेक्शन बढ़ाने के लिए किये जा रहे प्रयासों, अन्य गतिविधियों एवं अब तक प्राप्त सफलता के बारे में बताया। लगभग

70 लोगों ने नेत्रदान सकंल्प पत्र मौके पर भर कर दिए।

● दिनांक 29 अगस्त को केन्द्रीय कारागृह, कोटा में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जेल अधीक्षक श्री परमजीत सिंह सिद्धु ने समस्त कैदियों एवं स्टॉफ को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया एवं उनकी प्रेरणा से कई बन्दी एवं स्टाफ सदस्यों ने नेत्रदान का सकंल्प लिया। डॉ के.के. कंजोलिया ने बताया की एक नेत्रदान से चार द्रष्टि बाधित व्यक्तियों की जिन्दगी रोशन की जा सकती है। वर्तमान तकनीक से एक आंख से दो कॉर्निया का ट्रांसप्लान्ट किया जा रहा है। डॉ सुरेश पाण्डेय ने बताया की कई लोगों को भ्रातियां है कि नेत्रदान में पूरी आंख निकाली जाती है, जबकि ऐसा नहीं है। आंख से सिर्फ कॉर्निया ही निकाला जाता है। इस अवसर पर सचिव सुरेश सेदवाल, समाजसेवी जी.डी. पटेल, टेक्नीशियन टिंकु ओझा समेत कई लोग उपस्थित थे। संगोष्ठी के उपरान्त 75 लोगों ने नेत्रदान का संकल्प लिया।

● दिनांक 02 सितम्बर को कोठारी ग्रुप ऑफ एज्युकेशनल इन्स्टीट्यूट, कोटा में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ के. के. कंजोलिया ,अध्यक्ष ने नेत्रदान की प्रक्रिया व सावधानियों को विस्तार से बताते हुए समझाया कि नेत्रदान 10 मिनट में सम्पन्न होता है और नेत्रदान से कोई कुरूपता नही होती। डॉ सुरेश पाण्डेय ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से आखों के बारे में विस्तार से बताया एवं मॉडल के माध्यम से आंखो का काम करने की विधि सरलता से समझाई। कार्यक्रम में लगभग 250 छात्र एवं शाला अध्यापक एवं स्टॉफ उपस्थित रहे। मौके पर बड़ी संख्या में संकल्प पत्र भरे गये।

● दिनांक 02 सितबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केशवपुरा, कोटा में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य वेदही गौतम ने अपने उद्‌बोधन में उपस्थित छात्र -छात्राओं को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया एवं सकंल्प पत्र भरने हेतु प्रोत्साहित किया गया। डॉ के. के. कंजोलिया अध्यक्ष, कोटा चैप्टर ने सामूहिक प्रयासों से नेत्रदान अभियान को सफल बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया की हर वर्ष कम से कम दो लाख पचास हजार कॉर्निया की आवश्यक्ता होती है। लेकिन प्रतिवर्ष 50 हजार के लगभग ही नेत्रदान हो पाते हैं। डॉ सुरेश पाण्डेय ने बताया कि राज्य में 3 लाख बच्चे अन्धता के अभिशाप से ग्रसित हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नेत्रदान का सामुहिक सकंल्प लिया। डॉ. सुरेश पाण्डेय ने स्वंय द्वारा लिखी पुस्तक ''एक आई सर्जन की डायरी'' विद्यालय की लाईब्रेरी के लिए भेंट की।

● दिनांक 7 सितंबर को माहत्मा गांधी राजकीय विद्यालय, महावीर नगर कोटा मे आयोजित समापन कार्यक्रम मे डॉ के. के. कंजोलिया ने अध्यक्षीय भाषण दिया। शाला प्राचार्य श्रीमती मंजीत कौर ने छात्रों से नेत्रदान करने का सकल्प लेने पर जोर दिया। डॉ. सुरेश पाण्डेय ने पी.पी.टी. के माध्यम से आंखो के कार्य करने की विधि, होने वाले रोग एवं उनसे बचाव के उपाय सरल तरीके से समझाए।

इस अवसर लगभग 250 विद्यार्थी उपस्थित थे एवं बडी संख्या में नेत्रदान के संकल्प पत्र भराये गये।

– डॉ. के. के. कन्जोलिया
अध्यक्ष, कोटा चेप्टर

पाली चेप्टर :

पाली। पाली शहर में नेत्रदान की अग्रणी संस्था आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के पाली चेप्टर द्वारा जिले के सबसे बड़े एवं मेडिकल कॉलेज से सम्बन्धित बांगड़ अस्पताल में नेत्र विभाग के सहयोग से नेत्रदान जन जागरूकता लाने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में नेत्र रोग विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सी.एस. व्यास, सह आचार्य डॉ. विपुल नागर, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. महेश, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. योगेन्द्र एवं एमबीबीएस छात्र एवं छात्राएं रिद्धि मिश्रा, खुशीसिंह, रौनक अब्बानी के नेतृत्व में आई बैंक के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

विभाग प्रमुख डॉ. सी. एस. व्यास ने सभी छात्रों को नेत्रदान प्रक्रिया और महत्व के बारे में जानकारी दी । वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विपुल नागर ने विश्व में चल रहे नेत्र प्रत्यारोपण के सम्बन्ध में आधुनिक तकनीकी से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि एक व्यक्ति नेत्रदान करके चार लोगों की जिन्दगी में उजाला ला सकता है। दान में दिए जाने वाले कॉर्निया में पांच परतें होती है, परतों को दो हिस्सों में बांटा जा सकता है। कार्निया की सबसे भीतरी लेयर को किसी कारणवश क्षति पहुंचती है तो पूरा कॉर्निया ही प्रत्यारोपित किया जाता है।

आई बैंक पाली चेप्टर के अध्यक्ष हुकमीचंद मेहता ने कहा कि मृत्यु होने के बाद आंखों को जला कर राख करने की बजाय दान कर हम निश्चित रूप से दो जनों के अंधेरे जीवन में रोशनी लाने का पुनीत कार्य कर सकते हैं। वर्तमान में नेत्रदान में जितनी संभावनाऐं हैं, उसका दस प्रतिशत भी नेत्रदान नहीं होता है, इसलिए समाज में इस पुनीत कार्य के प्रति अधिक जागरूकता लाने का प्रयास करना होगा। सकारात्मक सोच विकसित कर युवाओं को इस पुनीत कार्य में सहयोग की अपील की।

आई बैंक पाली चेप्टर के सचिव केवलचंद कवाड़ ने बताया कि मरने के बाद किन लोगों का नेत्रदान किया जा सकत है और किनका नहीं किया जा सकता एवं नेत्रदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। आई बैंक पदाधिकारियों ने इस अवसर पर बांगड़ अस्पताल के प्रमुख वार्डों में पोस्टर लगाकर प्रेरणास्पद पेम्पलेट भी वितरित किये ।

इस अवसर पर पूर्व मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरके गर्ग, सह–आचार्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग डॉ. प्रियंका सोनी, जीएनएमटी प्रधानाचार्य तुलसीदास शर्मा, उषा, रमेश कुमार, मुकेश चारण, दुष्यंत दवे, हरीश देवड़ा आदि मौजूद रहे।

सेमीनार में आई बैंक पाली चेप्टर के अध्यक्ष सचिव के अलावा भंवरलाल सेमलानी, रोशन नाहर, टेक्नीशियन राजेन्द्र गुर्जर एवं सभी डॉक्टरर्स एवं एमबीबीएस मेडिकल छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया ।

– हुकमीचंद मेहता
अध्यक्ष, पाली चेप्टर

उदयपुर चेप्टर: गांवों में भी नेत्रदान का प्रचार किया

उदयपुर। नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. अशोक बैरवा ने हॉस्पिटल परिसर में नेत्रदान के स्टीकर लगा कर किया। वहाँ उपस्थित लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उदयपुर चेप्टर के अध्यक्ष व सचिव सहित सभी पदाधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ताओं के अलावा अनेक स्टाफ के लोग मौजूद रहे।

● महाराणा भूपाल कॉलेज मार्ग पर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मोहनलाल सुखाड़िया की समाधि पर गार्डन मे आने वाले लगभग 100 लोगों को नेत्रदान के पेम्पलेट बांट कर नेत्रदान के बारे में समझाया। उनके

प्रश्नों के उत्तर दिए व शंकाओं का निराकरण किया। मौके पर ही नेत्रदान के संकल्प पत्र भरवाए। रिवर फ्रंट गार्डन पर सुबह-शाम वॉक करने वाले नागरिकों को पेम्फ्लेट बांटे तथा नेत्रदान के बारे में जानकारी दी।

● महावीर इंटरनेशनल उदयपुर की मासिक बैठक में लगभग 100 सदस्यों की उपस्थितिमें आई बैंक ,उदयपुर चेप्टर के अध्यक्ष एस. एम. पोरवाल ने नेत्रदान की जानकारी देकर इस महान सामाजिक कार्य के लिए प्रेरित करते हुए समझाया कि यदि हम मृत्युपरान्त अपनी आंखो का दान कर दें तो मृत्यु के बाद भी आंखें अमर रहती हैं। सभी सदस्यों ने नेत्रदान के लिए प्रेरित होकर इस कार्य में सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

● मुस्कान क्लब की पिकनिक बैठक में अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों ने जाकर अपने परिवार सहित आए लोगों के बीच बैठ कर नेत्रदान का महत्व समझाया तथा इस पुण्यकर्म के लिए प्रेरित किया।

● महाराणा भूपाल अस्पताल के इमर्जेंसी वार्ड में दुर्घटनाग्रस्त भर्ती मरीजों व परिवार जनो को नेत्रदान के बारे में प्रेरित किया तथा मोर्चरी में पंपलेट वितरित किये।

● नेत्र विभाग के मुख्य चिकित्सक डॉ. अशोक बैरवा ने आकाशवाणी केन्द्र, उदयपुर में लाइव वार्ता देकर नेत्रदान क्यों जरूरी है ,कैसे किया जाता है और द्रष्टि बाधित लोगों को इससे होने वाले फायदे की जानकारी दी। डॉ. विद्या गुप्ता के साथ रेडियो पर पूछे गए प्रश्नों के जवाब देकर शंका समाधान भी किया।

● अंबा माता स्वाध्याय भवन में उपस्थित श्रावकों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी तथा अधिक से अधिक लोगों को सहयोग करने का निवेदन किया। वहां उपस्थित लोगों से संकल्प पत्र भरवाए तथा पेम्फ्लेट वितरित किए।

● सुंदरवास स्थित जैन उपासरे में भी संतो के व्याख्यान के बाद भारी संख्या मे उपस्थित जैन श्रावकों को समझाया कि सभी प्रकार के दानों में नेत्रदान का भी बहुत महत्व है। नेत्रदान के जरिए जो लोग कोर्निया की खराबी के कारण नहीं देख सकते हैं, उनको रोशनी मिल जाने से उनका जीवन आसान हो जाता है।

● जैन सोशल ग्रुप लोटस की बैठक में आमंत्रित अध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए नेत्रदान की महिमा पर प्रकाश डाला और एक कविता के माध्यम से प्रेरित किया।

● सुबह दो पार्कों में जाकर शाखा में आने वाले युवाओं को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी और पेम्पलेट वितरित किए।

● दिनांक 3 सितम्बर को नाई गाँव के जैन मित्र मंडल तथा अंबामाता स्वाध्याय समिति द्वारा बड़ी गाँव मे आयोजित वन भ्रमण संगोष्ठी मे लगभग 200 व्यक्तियों को नेत्रदान की जानकारी देकर संकल्प पत्र भरवाए। यहां बहुत ही रोचक कार्यक्रम के जरिए नेत्रदान के बारे मे जानकारी दी।

● मावली तहसील के पंच-सरपंचो, प्रमुख नागरिकों, स्कूलों के विद्यार्थियो, अध्यापकों एवं 14 गांवो के मुखियाओं की मौजूदगी में सभा का आयोजन कर नेत्रदान की जानकारी दी तथा पेम्पलेट बांट कर संकल्प पत्र भरवाए।

● उदयपुर की योगसेवा समिति तथा जैन सोशल ग्रुप की साधारण सभा में उदयपुर चेप्टर के सदस्य वर्धमान मेहता तथा रेखा जिनगर ने नेत्रदान की आवश्यकता तथा अंधता उन्मूलन में योगदान पर विस्तार से जानकारी दी।

● जिला कलक्टर से मिलकर अनुरोध किया कि नेत्रदान की प्रचार सामाग्री को पंचायत समितियों पर भिजवाकर ग्रामीण क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करवाया जाए ताकि अंधता उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनया जा सके।

पुलिस लाइन्स के अधिकारी से मिल कर पुलिस कर्मियों में नेत्रदान का प्रचार-प्रसार कराने का अनुरोध किया।

● कार्यक्रम को सफल बनाने में उदयपुर चेप्टर के कर्मठ सदस्य श्री विनोद कोठारी,श्री ललित धुपीया व अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय था।

– एस.एस. पोरवाल
अध्यक्ष, उदयपुर चेप्टर

भीलवाड़ा चेप्टरः

भीलवाड़ा। पखवाड़े का शुभारंभ भीलवाड़ा के सीएमएचओ डॉ. घनश्याम चावला द्वारा सभी लोगों को नेत्रदान की शपथ दिलाने से हुआ। पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट , जोन चेयरमैन विजय सिसोदिया, विनोद सिंघवी एवं आई बैंक के भीलवाड़ा प्रभारी लायन राकेश पगारिया ने सभी को नेत्रदान की शपथ ग्रहण कराई । उन्होने नेत्रदान प्रचार-प्रसार हेतु सभी को केरी बैग भी प्रदान किये।

एक अन्य जागरूकता कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सांसद सुभाष चंद्र बहेडिया ने कहा कि नेत्रदान महादान है और इसका अधिक से अधिक प्रचार होना चाहिए ताकि अंधेरे में जीवन जी रहे लोगों को रोशनी मिल सके। कार्यक्रम मे लायन्स,मल्टीपल कौंसिल सचिव आई. पी. डी. जी. लॉयन दिलीप तोषनीवाल,पूर्व प्रान्तीय कोषाध्यक्ष लायन अनिल गग्गड़, सांसद प्रतिनिधि राजकुमार आंचलिया प्रभारी, आर. पी. बल्दवा, तथा आई बैंक, भीलवाड़ा प्रभारी, राकेश पगारिया ने नेत्रदान के कार्य मे सहयोग करने की अपील की तथा सभा उपस्थित जनो को नेत्रदान की शपथ दिलवाई व संकल्प पत्र भरवाए।

राजकीय सीनियर हायर सेकंडरी स्कूल सुभाष नगर भीलवाड़ा एवं हास्पिटल में आयोजित कार्यक्रमों में आई बैंक प्रभारी लायन राकेश पगारिया ने संबोधित करते हुए नेत्रदान से सम्बंधित आवश्यक जानकारियां प्रदान की एवं नेत्रदान के फार्म भरवाए गए। सभी ने नेत्रदान महादान का संकल्प लें कर अंधता निवारण में सहयोग करने सहमति प्रदान की।

हास्पिटल में सभी को कैरीबैग प्रदान किए गए जिस पर नेत्रदान सम्बंधित जानकारी छपी हुई थी। कार्यक्रम में अध्यक्ष अब्बास अली बोहरा, आनन्दी लाल चौधरी, सौरभ शर्मा, निलोफर व शिव शर्मा का सहयोग रहा।

– राकेश पगारिया
भीलवाड़ा प्रभारी, ई.बी.एस.आर.

जोधपुर - चेप्टर

पखवाड़े के दौरान मंडोर रोड स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में नेत्र दान प्रोत्साहन हेतु आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जोधपुर चेप्टर के सौजन्य से एक वार्ता कमांडेंट श्री विजय सिंह के मुख्य आतिथ्य में रखी गई। आई बैंक के संयोजक राजेन्द्र जैन ने उपस्थित ट्रेनीज को बताया कि नेत्र दान की क्यों आवश्यकता है और इसे करने की क्या प्रकिया हैं। श्री दामोदर कंसारा ने भी नेत्र दान करवाने को प्रोत्साहन हेतु अपने विचार रखे। कमांडेंट श्री विजय सिंह ने ट्रेनीज को पद स्थापन होने पर अपने क्षेत्रों में नेत्र दान को प्रोत्साहित करने का आह्वान करते हुए विभाग की तरफ से पूर्ण सहयोग रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आई बैंक के पुखराज अग्रवाल, डा ए सी एच माथुर व रामेश्वर परिहार उपस्थित थे।

– राजेन्द्र जैन
संयेजक, जोधपुर चेप्टर

बूंदी-बारां-झालावाड़ चेप्टर

पखवाड़े के दौरान 5 हजार बच्चों को नेत्रदान की जानकारी दी

बूंदी। बी.बी.जे.-ई.बी.एस.आर. चेप्टर और शाइन इंडिया फाउंडेशन के निर्धारित क्षेत्र बूंदी, बाराँ और झालावाड़ जिले में भी नेत्रदान जागरुकता पखवाड़ा मनाया गया । पखवाड़ा कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक,कोटा ग्रामीण श्री कविंद्र सिंह के नेत्रदान संकल्प पत्र भरने से प्रारंभ हुआ। उन्होंने अपने कार्य क्षेत्र के सभी संबंधित ग्रामीण पुलिस थानों के स्टाफ को भी नेत्रदान संकल्प पत्र भरने के लिए प्रेरित किया ।

● अगले दिन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, इंदिरा नगर व संजय नगर के राजकीय विद्यालय में 500 से अधिक, विद्यार्थियों और शिक्षक-शिक्षिकाओं को नेत्रदान विषय पर डॉ कुलवंत गौड़ ने विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने आँख के मॉडल से बताया कि नेत्रदान की प्रक्रिया में पूरी आँख नहीं ली जाती है। सिर्फ आँख के सामने का पारदर्शी हिस्सा जिसे पुतली या कॉर्निया कहते हैं, सिर्फ उसे ही लिया जाता है।

● इसी स्कूल के माध्यम से कोटा के पास स्थित ग्रामीण क्षेत्र मंडाना के राजकीय विद्यालय में भी नेत्रदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया । विद्यालय के बच्चों को नेत्रदान के बारे में संपूर्ण जानकारी देने के उपरांत,प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के विजेताओं को शाइन इंडिया फाउंडेशन द्वारा मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया ।

श्री कविन्द्र सिंह
कोटा ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक
नेत्रदान का संकल्प पत्र भरते हुए

● राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष तक के 1000 से अधिक बच्चों को इंजीनियरिंग कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में नेत्रदान जागरुकता,कॉर्निया की खराबी से अंधता और उसके निवारण के बारे में प्रोफेसर रंजन माहेश्वरी और डॉ कुलवंत गौड़ ने विस्तार से बच्चों को समझाया।

● नेत्रदान पखवाड़े के समापन के अवसर पर जिला कलेक्टर कोटा श्री ओम प्रकाश बुनकर ने नेत्रदान के दौरान रखने वाली सावधानियों के विषय पर जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया।

बी.बी.जे.-ई.बी.एस.आर. चेप्टर के कोऑर्डिनेटर डॉ कुलवंत गौड़ ने बताया कि,हाड़ौती संभाग में नेत्रदान की जागरूकता को घर-घर पहुंचाने में कक्षा 6 से कॉलेज तक के विद्यार्थियों का काफी बड़ा योगदान है। पिछले 12 वर्षों में संस्था शाइन इंडिया फाउंडेशन के प्रयासों से 5 लाख से अधिक बच्चों तक नेत्रदान महादान का संदेश पहुंचा है । इन्हीं बच्चों के माध्यम से उनके माता-पिता और क़रीबी रिश्तेदारों तक भी यह संदेश आसानी से पहुंच जाता है । जब छोटे-छोटे बच्चे अपने माता-पिता से नेत्रदान के बारे में बात करते हैं, तब उन्हें स्वतः ही इस कार्य में सहयोग के लिए आगे आना पड़ता है,इस तरह से बच्चों के माध्यम से नेत्रदान से जुड़ी हर, छोटी बड़ी जानकारी उन्हें प्राप्त हो जाती है ।

● बच्चों के साथ इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित करने की प्रेरणा डॉ कुलवंत को 6 क्लास की एक छात्रा से मिली, जिसने नेत्रदान के बारे में संस्था सदस्यों की कार्यशाला को सुना था,और थोड़े समय बाद उसी के दादाजी की मृत्यु हो जाने पर उसने अपने माता-पिता को तैयार किया और नेत्रदान का कार्य संपन्न करवाया। बिटिया के इस प्रयास को परिवार के सभी सदस्यों ने सराहा। तीन दिन बाद इसी छात्रा को तीये की बैठक में संस्था सदस्यों की ओर से सम्मानित किया गया ।

– डॉ. कुलवंत गौड़, कोर्डिनेटर
बी.बी.जे.-ई.बी.एस.आर.

अलवर : चेप्टर

अलवर। यहां राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत बस स्टेण्ड गेट के सामने, खादी भंडार के बाहर एक शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, अलवर चेप्टर के समन्वयक डा. हर्ष कुमार शर्मा ने उपस्थित लोगों को नेत्रदान के बारे में जागरूक करने के लिए प्रचार सामग्री पेम्पलेट वितरित करने के साथ नेत्रदान की पूरी प्रक्रियात्मक जानकारी दी।

उन्होने बताया कि यह जागरूकता पखवाड़ा

पूरे विश्व के साथ भारत में भी हर साल मनाया जाता है। नेत्रदान क्यों और किसके लिए किनके द्वारा किया जाता है और इसका क्या तरीका है ,इन सब बातों पर विस्तार से समझाया तथा पूछे गए सवालों एवं आशंकाओं का निराकरण किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में से 47 व्यक्तियों ने नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे। लोगों को बताया गया कि नेत्रदान कौन कर सकता है और कौन नहीं कर सकता है, नेत्र सुरक्षा के उपाय, आहार, विश्राम और व्यायाम के बारे में भी अवगत करवाया गया।

इस अवसर पर नेत्रदान दिव्यांग एवं वृद्धजन सेवा समिति के लोगों ने भी नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में विशाल विजय, भारत भूषण दीक्षित, मुकेश कुमावत, धर्मचन्द यादव, योगेश सैनी, नरेंद्र कुमार सैनी आदि कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया ।

पखवाड़े के दौरान अलवर चेप्टर द्वारा जनता को नेत्रदान के बारे में जानकारी देकर जागरूक बनाने लिए कुछ अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये गए।

अलवर जेल के कैदियों के लिए नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। करीब 200 से अधिक कैदियों को जानकारी दी गई। पम्पलेट्स वितरित किये गए। 12 कैदियों ने नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे। अलवर जेल सुपरिटेंडेंट ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा सहयोग दिया। अलवर चेप्टर द्वारा पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, ठेकड़ा पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस कर्मियो के लिए नेत्रदान पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। संयोजक, डा हर्ष कुमार ने नेत्रदान अभियान के बारे मे जानकरी दी तथा पुलिस की सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एडिशनल एस पी, कमाण्डेट, इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह, श्रीमती मंजू, श्रीमती अंजली, सब इंस्पेक्टर हरभजन सिंह, प्रह्लाद स्वरूप, अरुण सिह सहित पूरे स्टाफ के साथ 250 पुलिस प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

– डॉ. हर्ष कुमार शर्मा
समन्वयक, अलवर चैप्टर

दौसा : नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर में चश्में भी दिये गए

दौसा। देश विदेश मे चलाए गए नेत्र दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दोसा चेप्टर द्वारा सात्विक नेत्रालय हॉस्पिटल जयपुर के सहयोग से ग्राम पंचायत कैलाई (दौसा) में देवनारायण भगवान के मंदिर में नेत्र स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 200 लोग आए, जिन्होंने सेवाओं का लाभ उठाया। मेडिकल स्टाफ ने शिविर में आने वाले 180 मरीजों की जांच की। मुख्य रूप से कोर्नियल ब्लाइंडनेस – 1, मोतियाबिन्द– 45, सामान्य नेत्र रोगी – 134 पाये गए।

आई बैंक की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गरिमा अग्रवाल ने 180 मरीजों की जांच की और श्री सतीश सकलेचा के वित्तीय सहयोग से उन्हें दवा व चश्मे दिये गए। कॉर्निया ब्लाइंडनेस / मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को उचित सलाह दी। उन्होने मरीजों को जयपुर एस.एम.एस. अस्पताल में

और जिला सरकारी अस्पताल में इलाज कराने के लिए जाने की भी जानकारी दी।

श्रीमती उषा बापना, संयुक्त सचिव आई बैंक सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान और वरिष्ठ प्रबंधक सुदर्शना शेखावत ने सभी मरीजों और ग्रामीणों को नेत्रदान के बारे में जानकारी देकर उन्हें नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया। मरीज़ अपनी बीमारियों का समाधान पाकर बहुत खुश थे.

शिविर के दौरान परियोजना प्रबंधक, पवन कुमार राजोरिया ने ग्रामीणों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और ग्रामीणों को नेत्रदान के बारे में बताया। शिविर में आसपास के गांवों के लोग भी आये थे।

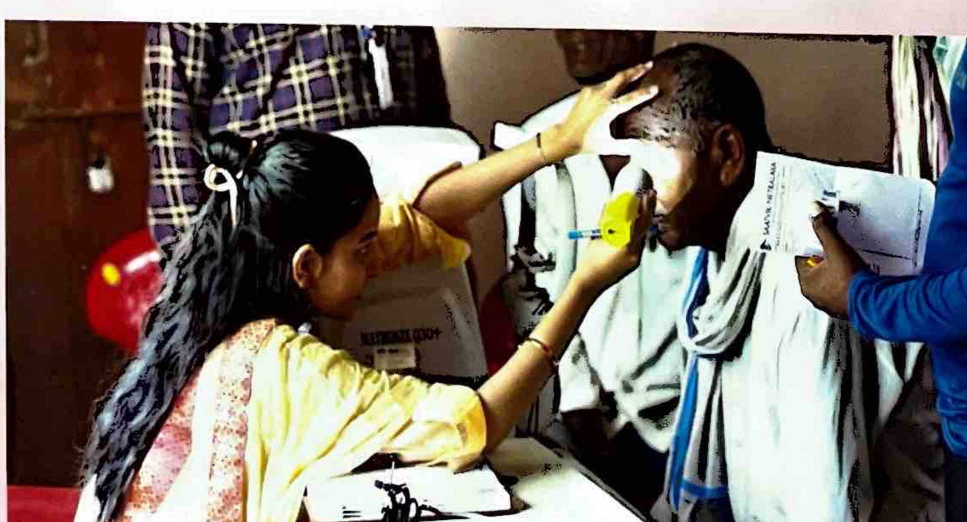

शिविर के दौरान गाँव के प्रमुख लोगों तथा सरपंच श्री श्रवण गुर्जर ने वहाँ आकर नेत्रदान कार्यक्रम का समर्थन किया और सहयोग करने का विश्वास व्यक्त किया। शिविर के दौरान आई बैंक से भरत कुमार छोटे- छोटे समूह में लोगों को नेत्रदान के बारे में बता रहे थे। ग्रामीणों की भीड़ को ममता फाउंडेशन के कर्मचारी नियंत्रित कर रहे थे। बड़ी संख्या में आ रहे लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे । इस दौरान आई बैंक स्टाफ के सदस्य उनके पास आकर नेत्रदान के बारे में विस्तार से चर्चा करने के साथ नेत्रदान वीडियो से प्रोजेक्ट पर जानकारी ले रहे थे। ऐसा प्रयास पहली बार किया गया था।

– पवन कुमार राजोरिया
परियोजना प्रबंधक, दौसा

बीकानेर केन्द्र द्वारा पुलिस व जेल में जागरुकता कार्यक्रम

बीकानेर। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के बीकानेर केन्द्र द्वारा 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक मनाए गए नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के अन्तर्गत 31 अगस्त को सेन्ट्रल जेल, बीछवाल (बीकानेर) में आयोजित जागरूकता कैम्प में लगभग 200 कैदियों ने भाग लिया।

सेन्ट्रल जेल अधीक्षक श्री आर. अंतेश्वरन ने कार्यक्रम की शुरूआत स्वयं का नत्रेदान शपथ-पत्र भरकर सभा में मौजूद कैदियों को प्रोत्साहित करते हुए संदेश दिया की शपथ लेकर अंधकार मे रह रहे लोगों के जीवन में उजाला लाने के महान समाज सेवी कार्य का हिस्सा बन सकते हैं। इस कैम्प मे 22 कैदियो ने शपथ -पत्र भरे।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की सीनियर मैनेजर सुदर्शना शेखावत ने जागरूकता पखवाड़े के बारे में जानकारी दी तथा अंधता निवारण के क्षेत्र में आई बैंक सोसायटी द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। बीकानेर चेप्टर के सहायक प्रंबधक तरूण यादव तथा ईडीसीटी रमजान भी मौजूद रहे। विस्तारपूर्वक इस अवसर पर नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के बारे मे जानकारी देने वाली एक लघु फिल्म का प्रस्तुतिकरण किया गया।

नेत्रदान पखवाड़े की कड़ी को आगे बढाते हुए दिनांक 12,14,17 सितम्बर 2023 को बीकानेर में पुलिस ट्रैनिंग स्कूल, पुलिस मोटर ड्राइविंग स्कूल, आर. ए. सी. बटालियन में भी सहायक प्रबंधक तरुण यादव द्वारा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। इनमें पुलिस विभाग के अधिकारी कमांडर, देवादयाल, महेन्द्र रिधवी, छगन लाल, सुरेश कुमार आदि अधिकारियों ने भाग लिया। तीनो कैम्प में लगभग 300 के करीब जवानों ने भाग लिया। कैम्प के अन्तर्गत कुल 71 शपथ पत्र भरे गये। इस दौरान ईडीसीटी रमजान ने पीबीएम हॉस्पिटल मोर्चरी से अगस्त माह मे 14 कॉनिर्या तथा सितम्बर माह मे 8 कॉर्निया दान में प्राप्त किये।

इस पखवाड़े के अन्तर्गत आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के माध्यम से पीबीएम हॉस्पिटल मे आई डोनेशन अवेयरनस पर केनोपी लगाई गई। साथ ही ट्रोमा सेन्टर, पीबीएम हॉस्पिटल, वार्ड, मोर्चरी आदि में भी केनोपी लगाकर आई डोनेशन के प्रति जागरूकता बढाई और नेत्रदान की जानकारी देने वाली सामग्री का वितरण किया गया

– तरूण यादव
सहायक प्रंबधक, बीकानेर केन्द्र

Eye Donation Awareness Program at Kogta Financial (India) Ltd.

On September 18, 2023, Kogta Financial (India) Limited, in collaboration with the Eye Bank Society of Rajasthan, conducted an Eye Donation Awareness Program at their Jaipur corporate office. The event aimed to raise awareness about eye donation and its importance. Ms. Sudershana Shekhawat presented on how eye donation aligns with the company's mission. Dr. Deepali Bhargav emphasized EBSR's crucial role, while Dr. Garima Agerwal led an informative session on eye care, including Q&A. Around 250 employees attended in person, while 500 more joined virtually, representing Kogta Financial's branches across states. The program fostered a sense of responsibility and highlighted the transformative potential of eye donation. Kogta Financial (India) Limited remains committed to such awareness initiatives, enriching employees' lives and contributing to society. This event underscored the organization's dedication to corporate social responsibility and its mission to create a positive impact. It successfully inspired individuals to consider eye donation as a meaningful act.

- Ms. Sudershana Shekhawat
Sr. Manager EBSR

श्रीगंगानगरः आई कलेक्शन सेंटर द्वारा जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित

श्रीगंगानगर। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान (ईबीएसआर) के निर्देशन में श्रीगंगानगर के ईबीएसआर-टांटिया आई कलेक्शन सेंटर से सम्बद्ध डॉ. एस. एस. टांटिया आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी द्वारा नेत्रदान जागरुकता पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) अरविन्द कुमार जाखड़ ने नेत्रदान से संबधित पोस्टर का विमोचन कर इसकी शुरूआत की। सोसायटी की तरफ से पखवाड़े के तहत 1300 से अधिक जनों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया

गया। शपथ भी ग्रहण करवाई गई। सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी मन्दिर में संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ के दौरान नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया, जागरुकता संबंधी बैनर भी लगाए गए। आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी के प्रमुख सलाहकार, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस उप अधीक्षक वेदप्रकाश लखोटिया, राजस्व अपील अधिकारी उम्मेदसिंह रतनू ,आरएएस, कृषि विपणन विभाग के सहायक निदेशक, दीपक अग्रवाल, पंजाबी महासभा के अध्यक्ष, वीरेंद्र राजपाल, श्रीगौशाला के अध्यक्ष, रमेश खदरिया, रोटरी ईस्ट के अध्यक्ष, विकास जैन, लायन्स क्लब के जोन चेयरमैन, संदीप अनेजा, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष, एडवोकेट पूरण घोड़ेला सहित 800 से अधिक विशिष्ट नागरिक तथा आम जन मौजूद थे। एस. एस. जैन पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल में हुए एक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में सोसायटी के असिस्टेंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश शर्मा ने नेत्रदान का महत्व बताया तथा शपथ दिलवाई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य विकास गौड़, पार्षद लोकेश सिहाग के अलावा 300 से अधिक लोगों की इसमें सहभागिता रही। रोटरी क्लब श्री गंगानगर ईस्ट के शपथ ग्रहण समारोह में भी नेत्रदान के प्रति जागरूक किया गया तथा संकल्प पत्र भरवाए गए। क्लब

के सहायक प्रांतपाल रायसिंह कुलडिया भी संकल्प पत्र भरने वालों में शामिल थे। आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी की तरफ से समय-समय

पर नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जाता है। इसी क्रम में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में हुए बालाजी के रात्रि जागरण में अपील करवाई गई साथ ही नेत्रदान संबंधी पेम्पलैट का वितरण प्रसाद के साथ करवाया गया।

- सुरेश शर्मा
सहायक परियोजना निदेशक, श्रीगंगानगर

कोटा चेप्टर ने 200 नेत्रदानी परिवारजनो को सम्मानित किया

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के कोटा चेप्टर द्वारा गत 10 मई 2023 को एस. एस. आई. एसोसिएशन, गोबरिया बावड़ी कोटा स्थित पुरूषार्थ भवन में 200 नेत्रदानियों के परिवारजनो को सम्मानित करने हेतु आमंत्रित किया गया। इसमें से 124परिजन उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक श्री संदीप शर्मा, मुख्य अथिति रहे। श्री राजेश बिरला, अध्यक्ष रेडकॉस सोसाईटी ऑफ राजस्थान, विशेष

अथि... रहे। श्रीमती संगीता सक्सेना, प्राचार्या मेडिकल कॉलेज कोटा ने सम... की अध्यक्षता की। श्री शरद चौधरी, पुलिस अधिक्षक कोटा शहर, श्री ... जैन, कमाण्डेट आर. ए. सी. कोटा सहित शहर के कई प्र...निक, सामाजिक, उद्योगिक एवं मेडिकल क्षेत्र के गणमान्य लोग नेत्र... परिवारजनौ के सम्मान कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आई बैंक सो...टी ओफ राजस्थान की जयपुर कार्यालय की सीनियर मैनेजर, सु... शेखावत एवं कॉर्डिनेटर एच. सी. सिंघल भी उपस्थित रहे।

डॉ के. के. कन्जोलिया, अध्यक्ष आई बैंक सोसाइटी ऑफ ...थान, कोटा चेप्टर ने सभी अथितियों एवं नेत्रदानी परिवारजनो का ...त करते हुए अपने उदबोधन में क्लब द्वारा किये गये नेत्र दान के क्षेत्र में ...ष्ट कार्य एवं इसकी जागरूकता हेतु प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।उन्होने बताया की 2011 मे ई. बी. एस. आर. का कोटा चेप्टर प्रारम्भ हुआ। तब ...लेकर अब तक 1564 कॉर्निया प्राप्त किये जिसमें से 864 कोर्निया

सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित कर दिया गया।

सम्मान समारोह मे 124 नेत्रदानी परिवारजनो को शॉल ओढ़ा कर, माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अथिति विधायक संदीप शर्मा ने उद्बोधन में नेत्रदान को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकाधिक लोगों को नेत्रदान का संकल्प लेने तथा अन्य लोगों को प्रेरित करते रहने का अनुरोध किया। उन्होंने आई बैंक, कोटा चेप्टर के कार्य की सराहना करते हुए सभी मेंम्बर्स को बधाई प्रेषित की।

कार्यक्रम संयोजक व नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश पाण्डेय ने डिजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से कॉर्निया ट्रांसप्लान्ट एवं आखों की संरचना के बारे में विस्तार से बताया। अन्य सभी मंचासीन अथितियों ने भी प्रेरणास्पक संबोधन किया। कार्यक्रम में सहयोगी रहे श्री ईशवर लाल सैनी (समाजसेवी व उद्योगपति) डॉ. महेश पंजाबी (वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक) श्री जी. डी. पटेल (समाजसेवी व उद्योगपति), डॉ. सुरेश पाण्डेय (वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक एवं कॉर्डिनेटर, कोटा चेप्टर ,डॉ शैलेन्द्र बिरला, डॉ कुलवन्त गौड़, श्री हरिश अग्रवाल, श्री राजेन्द्र अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। आई बैंक कोटा चेप्टर सचिव श्री सुरेश सेदवाल ने सभी का

धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी अथिति, नेत्रदानी परिवारजन, कोटा चेप्टर के मेम्बर्स एवं उपस्थित लोगो ने साथ में भोजन ग्रहण कर समारोह को सफल बनाया।

– डॉ. के. के. कन्जोलिया
अध्यक्ष, कोटा चेप्टर

अजमेर में नेत्रदानी परिवारों का सम्मान समारोह

अजमेर। गत 1 अक्टूबर को आई बैंक सोसाइटी ओफ राजस्थान के अजमेर चेप्टर द्वारा आयोजित समारोह में 73 नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा, पूर्व आई.ए.एस. थे उनके अलावा सोसाइटी के पूर्व उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र भण्डारी पूर्व आई.एफ.एस. एवं श्री गोविन्द गुरबानी सदस्य भी मौजूद रहे। समारोह में लगभग 200 व्यक्ति उपस्थित थे जिनमें नेत्रदानी परिवारों के सदस्य तथा अन्य सम्मानित अतिथि थे।

समारोह में 4 अलग-अलग लाभान्वितों ने कोर्नियल ट्रांसप्लांट के बाद उनकी आंखों में आई रोशनी से जीवन में हुए बदलाव के बारे में अपने अनुभव साझा किए। आंखों की रोशनी आ जाने के बाद अपनी खुशियों का इजहार करते हुए लाभान्वित जन बहुत भावुक होगए। उन्होंने समारोह में आई बैक सोसाइटी ओफ राजस्थान तथा अजमेर चेप्टर के पदाधिकारियों का रोशनी के उपहार के लिए तहेदिल से आभार व्यक्त किया।

– रवि तोषनीवाल
अध्यक्ष, अजमेर चेप्टर, ई.बी.एस.आर.

उपलब्धियों का आशाजनक रुझान

जयपुर में गत 14 सितंबर 2023 को आईबैक सोसाइटी ऑफ राजस्थान की कार्य समिति की बैठक अध्यक्ष, श्री बीएल शर्मा की अध्यक्षता में हुई जिसमे वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए वार्षिक कार्यक्रम तथा उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

निम्नलिखित तालिका में पिछले चार वर्षों की उपलब्धियाँ और पिछले वर्ष और चालू वर्ष के वार्षिक कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्य दर्शाये गए हैं:

	वर्षवार उपलब्धियाँ				वर्षवार लक्ष्य	
	2019–20	2020*–21	2021–22*	2022–23	2023–24	2024–25
कार्निया संग्रह	2086	892	1476	2911	2,400	3300
ट्रांसप्लांट	1273	711	1046	1879	1700	2200
उपयोगिता दर	61%	80%	75%	65%	70%	67%

*कोविड वर्ष

उपरोक्त तालिका से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हमारी उपलब्धियाँ आशाजनक रुझान दिखा रही हैं। वित्तीय वर्ष 2022–23 में हमारी उपलब्धियाँ लक्ष्य से अधिक रहीं और वित्तीय वर्ष 2023–24 में भी यही स्थिति रहेगी।

वार्षिक बजट – वित्तीय वर्ष 2024–25:

कार्यकारी समिति की इसी बैठक में वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए बजट अनुमान भी पेश किये गये. बजट की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:–

बजट हैड	प्राप्तियां	व्यय	आधिक्य
राजस्व	रु. 218.85 लाख	रु. 215.97 लाख	रु 2.88 लाख
पूंजी	रु. 120 लाख	रु. 300 लाख	रु. 180 लाख
कुल	रु. 338.85 –लाख	रु 515.97 लाख	रू (–)177.12 लाख

इस प्रकार आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान बजट राजस्व सकारात्मक है। हालाँकि बजट भवन निर्माण पर पूंजीगत व्यय के लिए 300 लाख रुपए आवंटित किये गये हैं लेकिन यह व्यय जेडीए द्वारा भूखंड आवंटन पर निर्भर करेगा। पूंजीगत व्यय के भारी अनुमान के कारण हमारा कुल बजट घाटे का है।

बेहतर वित्त प्रबंधन और दान मे मिली धन राशि के कारण, हमारा कॉर्पस फंड भी सकारात्मक रुझान दिखा रहा है जो कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है:

वर्ष	कॉर्पस फंड
2020–21	रु. 2,65,40,746/
2021–22	रु. 2,79,14,715/
2022– 23	रु. 3,51,99,765/
2023–24 (30 सितंबर तक)	रु. 3,81,99,765/

ललित प्रकाश कोठारी
सचिव, आई बैक सोसाइटी ओफ राजस्थान

तृतीय तिमाही जुलाई, अगस्त, सितम्बर की रिपोर्ट

जुलाई, अगस्त, सितम्बर 2023 की तृतीय तिमाही मे आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा 758 कॉर्निया एकत्रित किये गए, इनमें से 493 कॉर्निया केरेटोप्लास्टी के लिए विभिन्न हॉस्पिटल में प्रदान किये गये। कॉर्निया उपभोग दर 65 प्रतिशत रही एवं तिमाही के अंत में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान ने 1000 कॉर्निया वितरण के आकडें को भी पार कर लिया हैं।

ईबीएसआर चेप्टर्स का प्रदर्शन इस प्रकार रहा:-

1 जयपुर : 487/325 (67 प्रतिशत)
2 अजमेर : 92/77 (84 प्रतिशत)
3 कोटा : 68/41 (60 प्रतिशत)
4 बूंदी : 40/23 (57 प्रतिशत)
5 बीकानेर : 25/15 (60 प्रतिशत)
6 पाली : 22/07 (31 प्रतिशत)
7 भीलवाडा : 10/02 (20 प्रतिशत)
8 एमबीएस कोटा : 10/03 (30 प्रतिशत)
9 उदयपुर : 04/00 (0 प्रतिशत)

तृतीय तिमाही के तीन शीर्ष ईडीसीटी का प्रदर्शन :-

1. श्री ओमप्रकाश शर्मा:- 262/167 (64 प्रतिशत)

श्री ओमप्रकाश शर्मा का तृतीय तिमाही मे प्रत्यारोपण के लिए कॉर्निया देने मे प्रथम स्थान रहा एवं उनका तृतीय तिमाही के कुल प्रत्यारोपण मे 33 प्रतिशत का योगदान रहा है।

2. श्री मुकेश कुमावत:- 158/106 (67 प्रतिशत)

श्री मुकेश कुमावत का तृतीय तिमाही मे प्रत्यारोपण के लिए कॉर्निया देने मे द्वितीय स्थान रहा एवं उनका तृतीय तिमाही के कुल प्रत्यारोपण में 21 प्रतिशत का योगदान रहा है।

3. श्री टिंकू ओझा:- 68/41 (60 प्रतिशत)

श्री टिंकु ओझा का तृतीय तिमाही में प्रत्यारोपण के लिए कॉर्निया देने मे तृतीय स्थान रहा एवं उनका तृतीय तिमाही के कुल प्रत्यारोपण मे 8 प्रतिशत का योगदान रहा है।

दान मे प्राप्त कॉर्निया

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
जुलाई 2023	227	143	63 प्रतिशत
अगस्त 2023	264	175	66 प्रतिशत
सितम्बर 2023	267	175	65 प्रतिशत
कुल संख्या	758	493	65 प्रतिशत

LIST OF FINANCIAL DONORS (July to Sep. 2023)

S.	Name of Donor	Amount(In Rs.)
1	Shri P.C. Mishra	50,000
2	Smt. Shimla Bhandari	25,000
3	Shri Hari Shankar Sharma	21,000
4	Smt. Maya Tandon	20,000
5	Smt. Sheela Gupta	5,000
6	Shri Shiv Prkash Verma	2,000
7	Shri Rajeev Kumar Dasot	2,000
8	Ajay Kumar Gupta	2,000
9	Smt. Unnati Gurbani	2,000
	TOTAL	1,29,000

तृतीय तिमाही का स्वैच्छिक एवं काउंसलर द्वारा परामर्शित कॉर्निया संग्रह एवं वितरण इस प्रकार रहा

1. स्वैच्छिक प्रदर्शन : 160/85 (53 प्रतिशत)
2. परामर्शित प्रदर्शन : 598/408 (68 प्रतिशत)

तृतीय तिमाही का सेक्टरवार कॉर्निया वितरण इस प्रकार है।

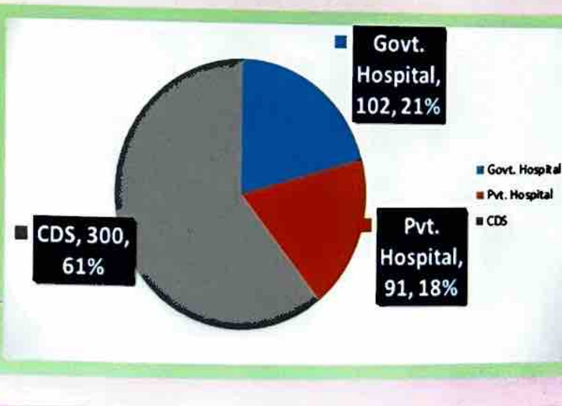

जुलाई से सितम्बर 2023 की तिमाही में जिन लोगों को कॉर्निया प्रत्यारोपित किये गये उनमें से कुछ के चित्र यहाँ प्रकाशित किए जा रहे हैं।

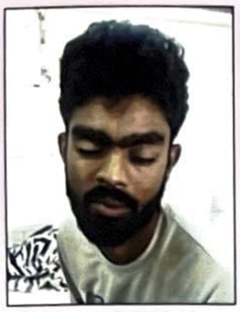

विनोद - 28 वर्ष
सीकर

प्रकाश चन्द - 52 वर्ष
भरतपुर

गंगाराम - 13 वर्ष
डूंगरगढ, बीकानेर

देश राज - 46 वर्ष
अलवर

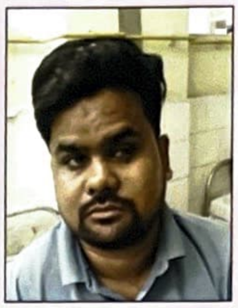

मो. इकबाल - 35 वर्ष
झुंझुनू

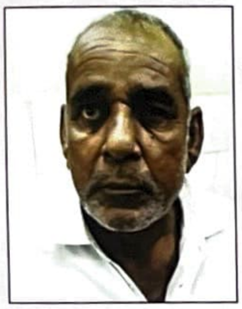

लीलू राम - 60 वर्ष
भादरा, हनुमानगढ

खुशी - 17 वर्ष
सवाईमाधोपुर

प्रेमी देवी - 55 वर्ष
मसूदा, ब्यावर

उम्मेदन - 65 वर्ष
जयपुर

जितेन्द्र - 36 वर्ष
जयपुर

नैतिक - 8 वर्ष
बगरू, जयपुर

फुली देवी - 54 वर्ष
विराट नगर

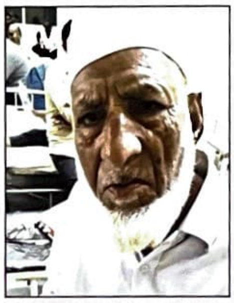

ज़कुल्ला खां - 78 वर्ष
जयपुर

जगदीश - 37 वर्ष
श्री गंगानगर

शमशेर खान - 55 वर्ष
अलवर

सुमन - 29 वर्ष
नीम का थाना

फारुक खान
अलवर

बाबू लाल - 35 वर्ष
श्योपुर, म. प्र.

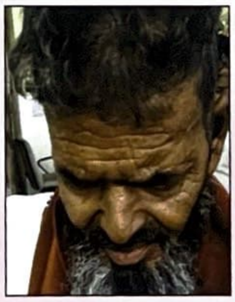

गफुर खान - 60 वर्ष
टोंक

रजिया बानो - 51 वर्ष
जयपुर

नेत्रदाताओं की सूची

जुलाई, 2023

1	रतन लाल चौहान	सुजानगढ़, जिला चूरू
2	खेमराज बैरवा	बाजीपुर, सवाई माधोपुर
3	ऐवटा	सिरसा रोड, हरियाणा
4	सीमा कंवर राठौड़	किशनगढ़, अजमेर
5	दिनेश बलाई	निर्मला टुयूरिजम, टोंक
6	लाल चन्द्र	पिंकसिटी, जयपुर
7	गुमन सिंह राठौड़	श्रीनगर, अजमेर
8	धर्मपाल चावला	गोपाल विहार, कोटा
9	बाबू लाल काचौरा	महेशनगर, जयपुर
10	प्रवीण नागपाल	महावीर नगर, कोटा
11	हीरा लाल गुर्जर	डोकी ढाणी, टोंक
12	पप्पू	मनीपुर, मथुरा (यूपी)
13	सौम्या गुर्जर	भरवाड़ा, करौली
14	प्रवीण प्रजापत	ओम निवास, कोटा
15	पुष्पा कँवर	तलवंडी, कोटा
16	मनीराम मीणा	दौसा, बांसवाड़ा
17	लूना देवी नैगलिया	रैगरों की बस्ती, नागौर
18	दशानन्दलाल अम्बानी	विजय नगर, कोटा
19	विजय शर्मा	सेठी कॉलोनी, जयपुर
20	अनिल	मुशीवारी वाटिका, जयपुर
21	राम दयाल बैरवा	कबारा, टोंक
	राजेन्द्र चौधरी	कल्याण नगर, अजमेर
	मोहन लाल	लक्ष्मणगढ़, सीकर
	आरती	रूपाल, भरतपुर
	उषा जैन	किशनगढ़, अजमेर
	कालू राम	जैलसर, बीकानेर
	नाथिया देवी	बांसवाड़ा, आगरा
28	नरेश योगी	अलवर
	कैलाश चन्द्र मीणा	अजबगढ़, अलवर
	प्रदीप कुमार बैरवा	बुन्दी रोड कोटा
	किशन चन्द्र शर्मा	महावीर नगर, कोटा
	शंकर लाल मीणा	देवली, टोंक
	राधे श्याम स्वामी	जयपुर
	मनीष	झुंझुनूं
	सन्नी रैगर	शिवबाडी बीकानेर
	राजेश	किरों की ढाणी, टोंक
	निकिता	चानीवाडी, हनुमानगढ़
38	सुरुमिता बैरवा	मडावर, जयपुर
39	रेशमा	सैन कॉलोनी
40	विक्रम सिंह	रामगढ, अलवर
41	डिम्पल सिद्दि	पटेल मार्ग, भीलवाड़ा
42	ब्रिजेश	महावीर नगर, कोटा
43	हेमन्त कुमार कचौरा	कचौरा चौक, बीकानेर
44	लाल चन्द्र रैगर	किशनगढ़ रैनवाल, जयपुर
45	पप्पू लाल रैगर	दौसा
46	रोहित	कोटा करवाटी, चॉकसू
47	बाबू लाल शर्मा	मंडावर, अलवर
48	दीपक पारिक	सस्तीमार्ग, जयपुर
49	धर्मसिंह	माहाराज कानपुर, टोंक
50	भवरलाल मीणा	उनियारा, टोंक
51	छोटी देवी	रनवाल, जयपुर
52	विकास मैहरा	नसिराबाद, अजमेर
53	कविता छापा	भहरूरोड, जयपुर
54	जगदीश सिंह	दुदु, जयपुर
55	सुरज कुमार वर्मा	मुहाना रोड, जयपुर
56	बाबू लाल जैन	लालसोट, दौसा
57	प्रेम राज	ममतौली साहाना, भरतपुर
58	निशान्त जिरोटिया	अशोक नगर भटटा अजमेर
59	भँवर लाल	सैठी कॉलोनी, अजमेर
60	रतन कवर नाटवानी	जयपुर रोड, केकडी
61	भावेश शर्मा	दौसा
62	योगश चन्द्र जैन	चन्द्र रोड, कोटा
63	निकिता मीणा	सवाई माधोपुर
64	कान्ता देवी	जगतपुरा, जयपुर
65	लक्ष्मी नारायण	सिरसी रोड, जयपुर
67	राजवीर	केकडी, अजमेर
68	आशुतोश फोगर	सीकर
69	दीप सिंह	शिवदासपुरा, जयपुर
70	निरमा देवी	निवाई, टोक
71	रमेश चन्द्र जैन	सवाई माधोपुर
72	रामअवतार रैगर	टोडारायसिंह, टोक
73	कान्ता देवी	बंजरग नगर, कोटा
74	ओम प्रकाश सोलंकी	महेश कॉलोनी, अजमेर
75	अंशराज मीणा	सवाई माधोपुर
76	नगेन्द्र सिंह	निवारू रोड, जयपुर
77	प्रेम शंकर	हेमीगढ, भीलवाडा
78	प्रकाश कुमार	जवाहर नगर, जयपुर
79	रामकुल प्रजापत	मालपुरा, टोक
80	शांति जैन	किशनपुरा, कोटा
81	सोनी देवी	नेहरू कॉलोनी, जयपुर
82	पप्पू लाल मीणा	लालसोट, दौसा
83	मनीशा नायक	नायको का मौहल्ला, सीकर
84	नन्द किशोर	दौसा
85	राजेन्द्र सिंह चौहान	प्रताप नगर, अजमेर
86	सीमा शर्मा	ब्रह्मपुरी, जयपुर
87	अमूल चतुर्वेदी	मानसरोवर, जयपुर
88	निरज कुमार बैरवा	सवाई माधोपुर
89	गजेन्द्र सिंह	सीकर
90	सुमित सैन	सोजत सिटी, राजस्थान
91	बादाम बाई जैन	रंग विहार कॉलोनी, कोटा
92	सुरेश शर्मा	फतेहपुर, सीकर
93	कमला सिंह	गुर्जर की थडी, जयपुर
94	बीरू अनुराग	चतरापुर, एम.पी.
95	अनरुका नाथ	नीम का थाना, सीकर
96	लीलाधर शर्मा	वृन्दावन कॉलेज, अजमेर
97	कुन्दन सिंह	सागर चन्द, उदयपुर
98	बाबू लाल	रामगढ, सीकर
99	नन्द किशोर	जयपुर
100	मनोज कुमार	उज्जैन
101	दिनेश कुमार	फिराजाबाद, यूपी
102	निदेश मीणा	उज्जैन
103	हेमन्त सिंह मीणा	झुनझुनु
104	सुशील जोशी	राजवत, दौसा
105	महेन्द्र कुमार प्रजापत	शास्त्री नगर, अजमेर
106	हरिश चन्द्र टाँक	गुलाब बाडी, अजमेर
107	सत्यपाल सिंह	देरवाल, झुंझुनू
108	बाबू लाल यादव	बहरोड, अजमेर
109	आर.के.शर्मा	महावीर नगर, कोटा
110	बाया कंवर	फागी लालसोट, जयपुर
111	विशाल कुमावत	चॉदपोल, जयपुर
112	नेमी चन्द्र जैन	केशवपुरा, कोटा
113	मुरारीलाल अग्रवाल	शक्ति नगर, कोटा
114	रमेश चन्द्र गुप्ता	मिश्रीली, झालावाड
115	कमला गोयल	बारा

अगस्त, 2023

1	महावीर चन्द्र	पंचायत मोहल्ला, ब्यावर
2	सुरुमा चोपरा	आदर्श नगर, जयपुर
3	बीडी पालीवाल	कोटा
4	सुभारु	खेडली बयाना, भरतपुर
5	कृरुणा	सुरई, अलवर
6	भगवती देवी	जयपुर
7	चेतन सिंह पँवार	दुर्गा कॉलोनी, जोधपुर
8	सोनिया	बंसत विहार, सीकर
9	मनीरु	डीडवाना, नागौर
10	ओम प्रकाश	फुलेरा, किशनगढ
11	लाखन सिंह	नीम का थाना, सीकर
12	पार्वती देवी	शास्त्री नगर, भीलवाडा
13	गणपत सिंह	दौसा

Donate Your Eyes.............Help Combat Corneal Blindness

नेत्रदाताओं की सूची

14	कजोड मल	बस्सी, जयपुर
15	रजनीश बाई	अशोक नगर, एमपी
16	संजुराम	गंगापुर
17	टिकु राम	सुरलाना, बीकानेर
18	मेघराज	बीकानेर
19	समीर	टोडाभीम, करौली
20	गोपाल सिंह	उत्तराखण्ड
21	गोतम सिंह	जेएलएन मार्ग, जयपुर
22	यति कुमार	कोटा
23	फूलचन्द्र	सुरजपोल, जयपुर
24	लाल चन्द्र	नर्सिंग कॉलेज, जयपुर
25	लक्ष्मण	मथुरा
26	किशन	धौलपुर
27	जीतु राम	बस्सी, जयपुर
28	रमेश चन्द्र मालकर	किशनगढ, दूदू
29	जितेन्द्र कुमार वर्मा	अजमेर
30	रमेश चन्द्र जैन	किशनगढ, अजमेर
31	राहुल शर्मा	गोनीपुर, आगरा
32	दीपीका राठौड	चुरू
33	रामदेव मीणा	जमवारागढ, जयपुर
34	रामलोचा	आगरा, यूपी
35	सुमित कुमार	महेन्द्रगढ, हरियाण
36	रमेश देव	सवाईमाधोपुर
37	मोहित जैन	कालवाड, जयपुर
38	गोपाल किशन	सुर्या नगर, अलवर
39	जशविर सिंह	मणिनगर, अहमदाबाद
40	नेरू देवी	चुरू
41	प्रकाश चन्द	दासवाडी
42	गोविन्द राम सिंह	टोक
43	राजा राम मीणा	फागी, जयपुर
44	किशन सिंह रावत	अजमेर
45	सपर्ति राज जैन	महावीर कॉलोनी, ब्यावर
46	रमेश कुमार	सुरत सिह, गंगापुर
47	मुरारीलाल	जमवारामगढ, जयपुर
48	रवि कुमार सैनी	नारिका नाका, जयपुर
49	हकीम चन्द्र गुर्जर	लालसोट, दौसा
50	लक्ष्मन सैनी	बान्दीकुई, दौसा
51	ओम प्रकाश शर्मा	अजमेर
52	राहुल सैनी	सैनीपुरा, अजमेर
53	देवेन्द्र सिंह	सवाई माधोपुर, सीकर
54	लाधुराम	टोक
55	मंजु	वल्भवाडी, कोटा
56	रोहित गुप्ता	उत्तर प्रदेश

57	वीर सिंह	महेन्द्रगढ, हरियाणा
58	रमीशा शानु	जयनगर, माधुनगर
59	लक्ष्मी जैन	बाबू नगर, जयपुर
60	निदेश सिंह राणा	सुभाष नगर, अजमेर
61	कमलेश कुमार	खण्डला, सीकर
62	शिवदयाल गुर्जर	सवाईमाधोपुर
63	कोशलया शर्मा	नाकोडा कॉलोनी, बारा
64	जारा देवी जैन	स्टेशन रोड, कोटा
65	नानक राम राजेन्द्र	जवाहर नगर, कोटा
66	विरेन्द्र सिंह	किशनगढ, अजमेर
67	सुरेश महावर	सलीमपुर, करोली
68	मधु बैरवा	निवाई, टोक
69	पुनम सिंह रावत	रामगढ, बैरवा
70	सोनी देवी	पाली
71	सावित्री देवी वर्मा	महावीर नगर, कोटा
72	अशोक कुमार मित्तल	सुभाष नगर, कोटा
73	विजय लक्ष्मी	लालसोट, दौसा
74	दिनेश सोनी	सोडाला, जयपुर
75	पिन्टू	मोरली, भरतपुर
76	कैलाश चन्द्र	पिपली, सीकर
77	कमला सुगर	चौडा रास्ता, जयपुर
78	लक्ष्मी नारायण साहू	किशनगढ, अजमेर
79	कैन्हया लाल	सीमोली, नीमच
80	राहुल कुमार बंजारा	कच्ची बस्ती, अजमेर
81	विरुणु कुमार खटीक	अजमेर
82	चन्द्रकाल जोशी	रामगजमण्डी
83	विमल सिंह	तलवंडी, कोटा
84	हितेश	खेरताल
85	अमित मीणा	भरतपुर
86	कन्हैया लाल रैगर	हेरिटेज, जयपुर
87	राजा राम लानी	जयसिंहपुरा खोर, जयपुर
88	मुकेश	सीतापुरा, भरतपुर
89	पुरन लोहार	अचरोल, जयपुर
90	उज्जवल देवी जैन	गोविन्द नगर, जयपुर
91	मुन्नी विजय	रॉयल सिटी, जयपुर
92	आयुरा माहेश्वरी	महावीर नगर, कोटा
93	सुधीर कुमार	सुरजपोल, जयपुर
94	अशोक	खटाडा, अजमेर
95	प्रिती गुप्ता	मालरोड, कोटा
96	निशात श्रीवास्तव	वल्भभाई मार्ग, कोटा
97	आलोक वर्मा	आंधी, जयपुर
98	अनिल साँखला	गुडा गांधी, झुंझूनू
99	राजूराम	गिरी सरोवर होटल, महाराष्ट्र

100	शेराज कुमार	छतीरगढ बीकानेर
101	जितेन्द्र कुमार वर्मा	रूपवास अलवर
102	सुरेश	रामीशर बीकानेर
103	भवर लाल	तलवंदी कोटा
104	गंगाधर	लक्ष्मणगढ सीकर
105	संतोरा कुमार	श्री गंगानगर
106	शंकर लाल	फुलेरा जयपुर
107	अशोक कुमार जैन	किशनगढ अजमेर
108	रवि कुमार	अंचीला विहार
109	जगदीश सिंह	राजपूत कॉलोनी जयपुर
110	यशपाल	गुर्जर की थडी जयपुर
111	अर्जुन निवानी	दादीबागी विहार कोटा
112	रिराभ कुमार जैन	वल्भवाडी कोटा
113	भोले माली	विजयपुर सवाई माधोपुर
114	गोपाल बैरवा	गंगापुरसिटी सवाईमाधोपुर
115	उर्मिला देवी	दौसा
116	दलेश ठाकुर	चिडावाख झुंझुनु
117	सीताराम	दौसा
118	हरिनारायण	दौसा
119	अभिनव अग्रवाल	तलवंडी कोटा
120	नितेश नायटी	प्रतापनगर कोटा
121	नेत्रपाल	मथुरा
122	भगवानी देवी	धौलपुर
123	महेन्द्र सिंह	जयपुर
124	धारा सिह	सीकर
125	कुलदीप	रामगढ अलवर
126	पूजा बैरवा	करौली
127	सोनवीर सिंह	भरतपुर
128	विकास सैनी	नीमका थाना सीकर
129	राम सैनी	जयपुर
130	राजेश	रामपुरा टोंक
131	चम्पा देवी	मालूसर रोड अजमेर
132	पारसमल धारीवाल	नेहरू नगर पाली
133	सुरेन्द्र	भवानीमंण्डी

सितम्बर 2023

1	सुनीता देवी	भाती दौसा
2	मुकेश कुमार जाट	शाहपुरा जयपुर
3	रामजी लाल गुप्ता	दौसा
4	बाबू लाल	उनियारा भरतपुर
5	विरुणु पाठक	यू.पी.
6	महावीर बैरवा	निवाई टोंक
7	पुरुपा देवी	तुंगा जयपुर
8	ओम प्रकाश सिंह	करौली अलवर

पाठकों से निवेदन

"राजस्थान नेत्र ज्योति के पाठकगण से विनम्र अनुरोध है कि पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने हेतु नेत्रदान से सम्बन्धित समाचार, कविता, लेख एवं चित्र इत्यादि भेज़कर अपना योगदान करें।"

नेत्रदान करना हुआ अब आसान

नेत्रदान संकल्प के लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की

वेबसाईट : **www.ebsr.in**

को लॉग इन कर Apply Now पर क्लिक कर नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर नेत्रदान कर सकते हैं।

सही समय पर सही फैसला किसी की जिन्दगी रोशन कर सकता है।

नेत्रदान के लिए हमें बस एक कॉल कीजिये।

ONE CALL DOES IT ALL

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

HELPLINE

18002020388

आइये, नेत्रदान को परिवार की परम्परा बनायें।

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर - 302 004

फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ़ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर - 302004 द्वारा प्रकाशित

सम्पादक: लक्ष्मण बोलिया, सह संपादक: गोविन्द गुरबानी